आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 94 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025

13 अप्रैल को रवीन्द्र भवन में होगा राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक गोपाल सम्मेलन

दुग्ध सहकारिता के माध्यम से बढ़ेगी किसानों की आय : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकार से समृद्धि के विजन के अंतर्गत मध्यप्रदेश एक महत्वपूर्ण पहल कर रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, एमपी स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) के मध्य सहकार्यता अनुबंध (कोलेबोरेशन एग्रीमेंट) के माध्यम से किसानों और पशुपालकों की जिंदगी बदलने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दुग्ध सहकारिता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने विशेष स्थान बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मंत्रालय में संपन्न बैठक में यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में आगामी 13 अप्रैल को भोपाल में हो रहे राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक गोपाल सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। कार्यक्रम में

केंद्रीय सहकारिता और गृहमंत्री श्री अमित शाह का आगमन प्रस्तावित है। बैठक में डेयरी विकास एवं पशुपालन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्वेत क्रांति की दिशा में बढ़ता मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को दुग्ध उतपादन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है कि किसानों और पशुपालकों से दूध की खरीद सुनिश्चित हो और उन्हें दूध की सही कीमत प्राप्त हो। श्वेत क्रांति मिशन के अंतर्गत प्रत्येक जिले में सांची डेयरी के साथ मिल्क कूलर, मिनी डेयरी प्लांट, चिलिंग सेंटर की संख्या बढ़ाकर और दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता का विस्तार कर किसानों की आय में वृद्धि का कार्य किया जाएगा। प्रदेश में अधिकतर ग्रामों में दुग्ध सहकारी समितियों की स्थापना कर दुग्ध उत्पादक किसानों को सहकारी डेयरी कार्यक्रम से जोड़ने का कार्य होगा। प्रदेश का दुग्ध उत्पादन में देश में तीसरा स्थान है। सहकारी समितियों को कव्हरेज बढ़ाकर दुग्ध उत्पादकों को सहकारी डेयरी कार्यक्रम का पूरा-पूरा लाभ दिलवाया जाएगा। सांची ब्रांड के उन्नयन का भी यह ठोस प्रयास है।

स्थापित होंगे नए अत्याधुनिक संयंत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अत्याधुनिक संयंत्र भी स्थापित होंगे। जहां दुग्ध संघों के संयंत्र पुराने हो गए हैं वहां नए अत्याधुनिक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। प्र-संस्करण क्षमता 18 लाख लीटर प्रतिदिन से 30 लाख लीटर प्रतिदिन की जाएगी। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि से दुग्ध उत्पादक संस्थाएं भी सुदृढ़ होंगी। किसानों को किसानी के अलावा आमदनी का नया महत्वपूर्ण स्रोत उपलब्ध होगा, जो प्रदेश की प्रगति में भी सहायक होगा।

टैरिफ के कारण अमेरिकी और एशियाई बाजारों में गिरावट

गोल्डमैन सैक्स ने मंदी की भविष्यवाणी की

एजेंसी ● नई दिल्ली

ट्रंप के टैरिफ से वैश्विक व्यापार और निवेश रुक गया है। इस वजह से अमेरिकी बाजार सोमवार को तीसरे दिन भी गिरावट के साथ खुले। एशियाई बाजारों में भी भारी गिरावट आई। सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत के शेयर बाजारों में नुकसान हुआ। गोल्डमैन सैक्स ने मंदी की भविष्यवाणी की है। जबकि ट्रंप का कहना है कि उनके टैरिफ वैश्विक व्यापारको ठीक करने और घरेलू उत्पादन को फिर से बनाने के लिए जरूरी हैं। उन्होंने चीन को 'सबसे बड़ा धोखेबाज' बताया। जवाबी कार्रवाई में टैरिफ बढ़ाने के लिए बीजिंग की आलोचना की।

सोमवार को मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन को छोड़कर बाकी सभी देशों के लिए 90 दिनों तक टैरिफ रोकने पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने तुरंत इस दावे को गलत बताया। इस बीच गोल्डमैन सेक्स ने कहा कि अगर ट्रंप अपने टैरिफ वापस भी ले लेते हैं तो भी मंदी की संभावना बढ़ गई है। आर्थिक विकास बहुत धीमा हो जाएगा। इसकी वजह वित्तीय स्थिति का सख्त होना, विदेशी उपभोक्ताओं की ओर से बहिष्कार और नीतिगत अनिश्चितता में लगातार बढ़ोतरी है। इससे पूंजीगत व्यय में भारी कमी आएगी। कंपनियां नया निवेश करने से डरेंगी।

टैरिफ को जरूरी दवा मानते हैं ट्रंप

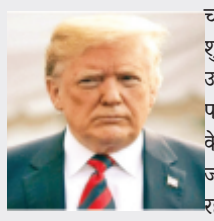

राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि टैरिफ जरुरी 'दवा' है। उनका कहना है कि इससे दुनिया भर में व्यापार को सही किया जा सकता है। साथ ही, अमेरिका में चीजों का उत्पादन फिर से शुरु किया जा सकता है। उन्होंने चीन पर खास तौर पर निशाना साधा है। ट्रंप के अनुसार, चीन सबसे ज्यादा गलत काम कर रहा है। उन्होंने चीन की ओर से टैरिफ बढ़ाने की भी आलोचना की है। ट्रंप ने कहा, 'चीन सबसे बड़ा धोखेबाज है। उन्होंने कहा कि दुनिया के नेता 'रेसिप्रोकल टैरिफ' पर 'समझौता करने के लिए बेताब हैं।' ट्रंप ने कहा, "बाजारों का क्या होगा, मैं आपको नहीं बता सकता। लेकिन हमारा देश कहीं ज़्यादा मज़बूत है।

टाटा की 6 कंपनियों ने गंवाए 1.28 लाख करोड़

मार्केट के इस भूंकप में टाटा जैसी दिग्गज कंपनियों के भी पांव उखड़ गए। निफ्टी50 इंडेक्स में लिस्टेड 6 टाटा ग्रुप की कंपनियों टीसीएस, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टाइटन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और ट्रेंट ने 1.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मार्केट कैप गंवाया है। इन सभी 6 कंपनियों के शेयरों में गिरावट की वजह ट्रंप का टैरिफ ऐलान है।

चार भारतीयों ने गंवाए 10 अरब डॉलर

ट्रंप के टैरिफ ने हर तरफ तबाही मचाई हुई है। देश के टॉप-04 अरबपति मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, सावित्री जिंदल एंड फैमिली और शिव नादार के नेट वर्थ में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। चारों अरबपतियों नेटवर्थ का मिलाकर 10.3 अरब डॉलर तक सोमवार को साफ हो गया। फोर्ब्स की लिस्ट के मुताबिक सबसे बड़ा झटका मुकेश अंबानी को लगा है। उनकी नेटवर्थ में 3.6 बिलियन डॉलर तक की गिरावट देखने को मिली है। इस गिरावट के बाद मुकेश अंबानी की नेटवर्थ लुढ़ककर 87.70 बिलियन डॉलर हो गई। वहीं, गौतम अडानी की नेट वर्थ 3 अरब डॉलर लुढ़कने के बाद 57.3 अरब डॉलर हो गई। सावित्री जिंदल एंड फैमिली की नेट वर्थ 2.2 बिलियन डॉलर के नुकसान के बाद 33.9 बिलियन डॉलर हो गई। वहीं, शिव नादर को 1.5 अरब डॉलर का झटका सोमवार को लगा है। उनकी नेट वर्थ 30.90 बिलियन डॉलर हो गई।

मणिपुर के लिलोंग में तनाव के बाद लगा कर्फ्यू, इंफाल घाटी के कई हिस्सों में प्रदर्शन; भारी बल तैनात

एजेंसी ● इंफाल

मणिपुर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष असकर अली के घर में आगजनी के बाद थौबल जिला प्रशासन ने सोमवार को पूरे लिलोंग विधानसभा क्षेत्र में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने तथा हथियार लेकर चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसमें कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक ने रविवार रात को रिपोर्ट दी कि लाठियों और पत्थरों से लैस लगभग सात से आठ हजार लोगों ने लिलोंग सम्ब्रुखोंग मामेई क्षेत्र में असकर अली के घर पर धावा बोल

दिया और उसे आग लगा दी।

बीजेपी नेता ने किया था वक्फ कानून का समर्थनः असकर अली ने शनिवार को इंटरनेट मीडिया पर ने वक्फ संशोधन अधिनियम का समर्थन किया था, हालांकि घटना के बाद अली ने अपने पिछले बयान के लिए माफी मांग ली। इस बीच रविवार को इंफाल घाटी के विभिन्न हिस्सों में वक्फ संशोधन कानून को लेकर प्रदर्शन हुए। रैली में पांच हजार लोग शामिल हुए।

सुरक्षा बलों के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़पः प्रदर्शन के कारण लिलोंग में एनएच 102 पर यातायात बाधित हो गया। थौबल में इरोंग चेसाबा सहित कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार के खिलाफ नारे लगाए और इस कानून की निंदा की। घाटी के मुस्लिम बहुल इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। संसद से पारित वक्फ संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंजूरी दे दी है।

जम्मू-कश्मीर में वक्फ बिल पर विधानसभा में जमकर हंगामा

काले झंडे लहराये, विधेयक की प्रतियां फाड़ी

एजेंसी ● नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर जमकर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने वक्फ कानून पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव दिया था। प्रश्नकाल स्थगित करने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद सदन के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेशनल कांफ्रेंस के नज़ीर ग़ुरेज़ी और तनवीर सादिक के नेतृत्व में पार्टी के सदस्यों ने वक्फ कानून पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया। इस विषय पर नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस और कुछ निर्दलीय विधायकों सहित कुल नौ सदस्यों ने अध्यक्ष को नोटिस दिया था। बीजेपी ने सदन के नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में प्रस्ताव का विरोध किया। जिससे शोरगुल शुरू हो गया।

विधानसभा अध्यक्ष राथर ने सदन के

नियम 58 का हवाला देते हुए कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है इसलिए प्रश्नकाल स्थगित कर इस पर चर्चा नहीं की जा सकती। इसके बाद नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी के सदस्यों ने विरोध जताया और अध्यक्ष के आसान की ओर आगे बढ़ गए। वक्फ संशोधन बिल का प्रतियां भी फाड़ी गईं। नारेबाजी के बीच एनसी विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक मुस्लिम राज्य है। हम वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हैं।सदन में काले झंडे भी दिखाए गए।

पूर्व सपा विधायक तिवारी गिरफ्तार

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंकों की 700 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम हड़पने के आरोपी पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी और उनकी कम्पनी गंगोत्री इंटरप्राइजेज के निदेशक अजीत पाण्डेय को सोमवार शाम गिरफ्तार कर लिया। विनय शंकर को लखनऊ के न्यू हैदराबाद स्थित आवास और अजीत को महाराजगंज जिले से गिरफ्तार किया गया है। दोनों को सीबीआई कोर्ट में अलग-अलग समय पर पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई ईडी ने विनय शंकर व उनकी कंवपनी के 11 ठिकानों पर सोमवार सुबह एक साथ छापेमारी के बाद की है। इस मामले में ईडी की कार्रवाई सोमवार रात तक चल रही थी। ईडी ने विनय शंकर तिवारी को कई बार नोटिस देकर बुलाया था लेकिन वह नहीं आए। इस पर ही ईडी की कई टीमों ने सोमवार सुबह एक साथ गंगोत्री इंटरप्राइजेज के लखनऊ, नोएडा, गोरखपुर, मुम्बई के कार्यालयों पर छापा मारा। इसमें गंगोत्री की सहयोगी कंपनियों के कार्यालय भी शामिल हैं। यह कार्रवाई लखनऊ के पांच, नोएडा व गोरखपुर में दो-दो और दिल्ली व मुम्बई में एक-एक ठिकाने पर हुई है।

दीदी के हमले से ज्यूडिशिरी की पवित्रता बचाएं हुजूर : महतो

एजेंसी ● कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से भाजपा के सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस संजीव खन्ना को चिट्ठी लिखकर उनसे न्यायपालिका की पवित्रता और गरिमा बचाने की अपील की है। अपनी चिट्ठी में भाजपा सांसद ने लिखा है कि न्याय तो जीत गया है लेकिन न्यायपालिका की गरिमा को

संरक्षित किया जाना चाहिए क्योंकि पश्चिम बंगाल की सरकार जूडिशरी पर हमले बोल रही है। उनकी यह चिट्ठी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भले ही उन्हें जेल जाना पड़े लेकिन शिक्षकों की नौकरी नहीं जाएगी। महतो ने लिखा है कि एसएससी स्कैम में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद अब राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सार्वजनिक मंच से न्यायपालिका के फैसलों की आलोचना की है। इसलिए मैं आपसे भारत के सुप्रीम कोर्ट पर राजनीतिक हमले के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं।

www.adityabharat.com

हर ख़बर जरूरी है पाठक के लिए...!

दैनिक आदित्य भारत

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

सदैव सत्य के साथ...

रायपुर,इंदौर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आपके विचार लेख हमारी संपादकीय टीम को उचित लगता है तो जरूर प्रकाशित किया जाएगा...

mail id : editor@adityabharat.com

आरएनटीयू : आज के छात्र ही कल के सशक्त भारत का निर्माण करेंगे: राजेन्द्र शुक्ल

दीक्षान्त समारोह में विद्यार्थियों को मिली डिग्रियां तो खिल उठे चेहरे

संवाददाता ● भोपाल

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह, म.प्र. के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री माननीय श्री उदय प्रताप सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ राधाकांत पाढ़ी, एचएएल चेयर प्रोफेसर, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस, बैंगलोर, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, सेक्रेटरी प्रायोजी निकाय, आईसेक्ट, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रो चांसलर आरएनटीयू, डॉ. आर.पी. दुबे, कुलगुरु, आरएनटीयू, डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी, कार्यकारी उपाध्यक्ष, आईसेक्ट, डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव, आरएनटीयू विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ ई मादे धर्मयश, रसाचार्य, आईजीबी सुग्रीव स्टेट हिन्दू यूनिवर्सिटी, देनपसार इंडोनेशिया को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

समारोह

इस मौके पर माननीय श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है। यह संस्थान न केवल विद्यार्थियों को अकादमिक रूप से मजबूत बना रहा है, बल्कि उन्हें नैतिक मूल्यों से भी जोड़ रहा है। विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियाँ प्रदेश के लिए गौरव की बात हैं। उन्होंने कहा कि आज के छात्र ही कल के सशक्त भारत का निर्माण करेंगे। सरकार ऐसे संस्थानों को हरसंभव सहयोग देने के लिए संकल्पित है। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में माननीय श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि डिग्री केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय जिस प्रकार युवाओं को आत्मनिर्भर और नवाचारशील बना रहा है, वह प्रशंसनीय है। शिक्षा को अब रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने की आवश्यकता है। इस संस्थान ने छात्रों को बहुआयामी कौशल प्रदान कर एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे देश की प्रगति में भागीदार बनें और अपने ज्ञान का सही उपयोग करें। अंत में उन्होंने डिग्री उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। दीक्षांत भाषण देते हुए श्री राधाकांत पाढी ने कहा कि ज्ञान का असली उद्देश्य मानवता की सेवा में योगदान देना है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी दक्षता की ओर प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी में अपार संभावनाएं हैं। इसरो में कार्य करते हुए मैंने सीखा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और टीम वर्क से असंभव को भी संभव किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री संतोष चौबे ने कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षणिक आदर्शों पर कार्य करते हुए शिक्षा, अनुसंधान और संस्कृति का समन्वय प्रस्तुत कर रहा है। विश्वविद्यालय लगातार छह वर्षों से एनआईआरएफ रैंकिंग में अपनी उपस्थिति बनाए हुए है, जो इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हम अपने छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2022, वर्ष 2023 और वर्ष 2024 के कुल 362 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। इस अवसर पर 60 गोल्ड मेडल, 183 पी-एच.डी. उपाधि, 52 स्नातकोत्तर उपाधि एवं 67 स्नातक उपाधि छात्र-छात्राओं को माननीय श्री राजेन्द्र शुक्ल, उप मुख्यमंत्री म.प्र. और माननीय श्री उदय प्रताप सिंह जी ने अपने करकमलों से प्रदान कीं। इस मौके पर तृतीय दीक्षान्त समारोह की स्मारिका का विमोचन भी किया गया साथ ही बिग कंट्री लिटिल बिजनेस और कंप्यूटर एक परिचय पुस्तक का विमोचन किया गया और अतिथियों को सौजन्य भेंट की गई। तदोपरांत डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी ने बिग कंट्री लिटिल बिजनेस पुस्तक पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, सेक्रेटरी प्रायोजी निकाय ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे ने दीक्षान्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी और टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला केन्द्र के निदेशक श्री विनय उपायध्याय ने किया। प्रारंभ में दीक्षान्त समारोह की शोभायात्रा द्रोणांचल भोपाल से आए आर्मी बैंड की धुनों के साथ निकाली गई। इसके पश्चात् दीक्षान्त समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और सरस्वती वंदना से हुआ। समारोह का प्रारंभ और समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संगीता जौहरी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के पदाधिकारी, विश्वविद्यालय की गवर्निंग बॉडी और बोर्ड आफ मैनेजमेंट के पदाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, शिक्षाविद्, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

आर्चिन कुमार: एक युवा शोधकर्ता की कहानी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर आर्चिन कुमार ने अपनी शैक्षिक योग्यता और उपलब्धियों से सबको प्रभावित किया है। 23 वर्षीय आर्चिन कुमार ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद रविन्द्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटी से बी ए (ऑनर्स) समाजशास्त्र में 82.1% से टॉप किया और यूजीसी डुअल डिग्री प्रोविजन के तहत इग्नू से बी ए (जनरल) किया। इसके बाद, आर्चिन कुमार ने रबिन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी से एम ए समाजशास्त्र में 91.4% से यूनिवर्सिटी टॉप कर गोल्ड मैडल अर्जित किया और इग्नू से एम ए पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने 2023 में इग्नू से पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफ़िकेट इन क्लाइमेट चेंज (PGCCC) भी किया। आर्चिन कुमार ने अपनी शिक्षा के साथ-साथ 60 से ज्यादा ऑनलाईन सर्टिफ़िकेट कोर्स भी किए हैं, जिनमें कोर्सेरा, WHO, यूनिसेफ, ड्यूक यूनिवर्सिटी, येल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोंटो आदि शामिल हैं। जून 2024 में, आर्चिन कुमार ने यूजीसी नेट जेआरएफ समाजशास्त्र में 97.5 पर्सेंटाइल से बिना कोचिंग के पहले प्रयास में किया। उन्होंने 2023 में IB ACIO का इंटरव्यू भी दिया और वर्तमान में यूपीएससी सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। आर्चिन कुमार ने काशी हिन्दू विश्व विद्यालय में पीएचडी एडमिशन में 4 रैंक हासिल कर पीएचडी में एडमिशन लिया है, जहाँ से वे जेल में बंधी प्रेग्नेंट और मदर कैदियों और उनके बच्चों के ऊपर शोध कार्य करने की योजना बना रहे हैं।

आरएनटीयू के एलएलएम के छात्र आदित्य शर्मा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मैं पेशे से सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड हूं। परंतु वर्ष 2020-21 में मैंने ब्रेक लेकर एक बार फिर से लॉ एजूकेशन को रिफ्रेश किया। इस दौरान मुझे आज के फैकल्टीज एवं स्टूडेंट्स द्वारा किए जा रहे चिंतन को समझने का मौका मिला जो रेगुलर प्रेक्टिस और क्लाइंट डिलिंग में सहायक होगा।

● **आदित्य शर्मा, गोल्ड मेडलिस्ट, एलएलएम**

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाली प्रतिज्ञा व्यास जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, गया में पदस्थ हैं। वे अपने शोधकार्य पर बात करते हुए कहती हैं कि मेरा विषय "लैंगिक परिप्रेक्ष्य में क्रूरता के बदलते आयामों का आलोचनात्मक अध्ययन" रहा। मैं चूंकि न्यायिक क्षेत्र में हूं और हमारी सामाजिक व्यवस्था का पूरा तानाबाना न्यायिक क्षेत्र पर बहुत निर्भर करता है। आज पारिवारिक मामलों में न्यायिक सक्रियता बढ़ गई है। महिलाओं के लिए नए-नए कानून बन रहे हैं। पुरुष वर्ग भी कई बार पीडित होता है। थर्ड जेंडर को भी मान्यता मिल गई है। इस तरह से पूरे समाज पर कानूनों का क्या प्रभाव है, कुछ कानूनों का दुरुपयोग क्यों है, हम अच्छा करने के लिए क्या कर सकते हैं। इसलिए हमने इस विषय को शोध के लिए चुना और सफलता पूर्वक शोध को पूरा किया।

● **डॉ. प्रतिज्ञा व्यास, गोल्ड मेडलिस्ट, पीएचडी स्कॉलर**

आरएनटीयू में एमटेक के छात्र हरीश शर्मा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कि विश्वविद्यालय के फेकल्टीज के सहयोग से मेंने "कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट" अपने शोध का कार्य किया है। इन दो वर्षों के दौरान मेरे दो रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पब्लिश हुए हैं। इसमें वेस्ट प्रोडक्ट का कॉक्रीट में इस्तेमाल करके कैसे उसे मजबूती प्रदान कर सकते हैं, पर कार्य किया गया है। चूंकि मैं मप्र शासन में नगरीय प्रशासन विभाग में सहायक अभियंता हूं, तो अपने कार्य के दौरान यह शिक्षा मेरे लिए सहयोगी साबित होगी।

● **हरीश शर्मा, गोल्ड मेडलिस्ट, एमटेक**

शॉट न्यूज

300 से अधिक कन्याओं का पूजन कर उपहार भेंट किए

इंदौर। छोटा बांगड़दा, एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर रविवार रात को 300 से अधिक कन्याओं का पाद पूजन कर उन्हें नए वस्त्र, चुनरी, मुकुट-माला एवं स्कूल में काम आने वाली वस्तुओं का उपहार देकर सम्मानित किया गया। सरकारी स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी इस अवसर पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। बाबाश्री परमार्थिक ट्रस्ट की मेजबानी में आयोजित इस कार्यक्रम में रामनवमी एवं चैत्र नवरात्रि के समापन पर आसपास की बस्तियों की 300 से अधिक कन्याओं को दोपहर 4 बजे से आमंत्रित किया गया, । संध्या को ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश- सीता देवी गोयल, द्वारकाप्रसाद गोयल, रामेश्वर दयाल एवं जगदीश प्रसाद के साथ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, आदि स्नेह भोज भी परोसा।

महावीर जन्म कल्याणक पर स्वर्ण रथ शोभायात्रा 10 को

इंदौर। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर 10 अप्रैल को दोपहर 2:30 बजे कांच मंदिर से दिगंबर जैन समाज भव्य शोभायात्रा निकालेगा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि इस वर्ष भी शोभायात्रा में स्वर्ण रथ के रजत सिंहासन पर प्रभु महावीर को विराजित किया जाएगा । स्वर्ण रथ के सारथी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया है, मुकेश- चंदनबाला पाटोदी परिवार ने, वो ही इस रथ को चलाएंगे। जुलूस शुभारंभ कर्ता होंगे - नवीन-शिवानी गोधा और समन्वयक होंगे विनय बाकलीवाल। शोभा यात्रा में दो प्रसिद्ध बेंड- बाजों के साथ ही 7 घोड़े, 5 बग्घियां व सोशल ग्रुप व संगठनों की एक से बढ़कर एक झांकियां निकलेंगी। समाज के महामंत्री सुशील पांड्या और राकेश विनायका ने बताया कि इस यात्रा में शताधिक साधुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने किया "डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार" कार्यशाला का शुभारंभ

चिकित्सा के संरक्षण की दिशा में झाबुआ में ऐतिहासिक पहल

संवाददाता ● भोपाल

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि वर्तमान में पारम्परिक चिकित्सा पद्धति और औषधीय वनस्पतियों से जुड़े सदियों पूराने ज्ञान को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। झाबुआ जिले में पारम्परिक औषधीय ज्ञान को संरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल की गई है। "डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार" कार्यशाला का आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि झाबुआ की धरती पर लोक ज्ञान का अपार भंडार है। इस कार्यशाला में 75 से अधिक पारम्परिक जड़ी-बूटी विशेषज्ञों को एकत्रित किया गया है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जिले के सभी विकासखंडों से एकत्रित हुए इन विशेषज्ञों ने इस अंचल में पाये जाने वाले जड़ी बूटियों का परम्परागत ज्ञान साझा किया है। उन्होंने कहा कि यह परम्परागत ज्ञान विलुप्त न हो जाये और आने वाली पीढ़ियों तक इसके हस्तांतरण के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि पूरी दुनिया ने कोरोना काल में आयुर्वेद की शक्ति को पहचाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया है और देश भर में आयुर्वेद का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है और इसी से परम्परागत ज्ञान को लिपीबद्ध करने से इसको संरक्षित किया जा सकेगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि भविष्य में सभी जानकारियों का सुव्यवस्थित संकलन कर हिन्दी और अंग्रेजी में दस्तावेज तैयार किये जायेगें। इसमें जड़ी बूटियों के नाम, स्त्रोत, प्रयोग विधि, मात्रा, उपलब्धता और उपचार की प्रक्रिया को विस्तार से दर्ज किया जायेगा। कलेक्टर सुश्री नेहा मीणा ने जानकारी देते हुए बताया है कि पिछले 6 माह में जिले के सभी विकासखंडों में जड़ी बुटी विशेषज्ञों का सर्वेक्षण कर 157 विशेषज्ञों की सूची तैयार की गई है।

पहल

शिविर में 210 नेत्र और 52 दंत रोगियों का मुफ्त इलाज

संवाददाता ● इंदौर

परदेशीपुरा स्थित आस्था वृद्धाश्रम सेवा केन्द्र समाज कल्याण परिसर पर समाजसेवी दिनेश मित्तल (मित्तल अप्लायंसेज) के सहयोग से निशुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा और परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 210 नेत्र रोगियों एवं 52 दंत रोगियों का पंजीयन कर हाथोंहाथ उनकी जांच कर आवश्यक औषधियां भी प्रदान की गई। संगठन के प्रदेश महामंत्री अरविंद बागड़ी, कार्यक्रम प्रमुख दिनेश मित्तल शिविर संयोजक राजेश इंजीनियर ने बताया प्रारंभ में रमेशजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर वरिष्ठ समाजसेवी विनोद अग्रवाल, दिनेश मित्तल, कुलभूषण मित्तल राजेश बंसल, गणेश गोयल किशोर गोयल ने शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. ओ.पी. अग्रवाल, डॉ. रोहित अग्रवाल, डॉ. पलक अग्रवाल, डॉ. श्वेता गुप्ता और उनकी टीम द्वारा 210 मरीजों की आंखों की जांच कर चश्मों के लिए नंबर, पर्दे (रेटिना) की जांच एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु भी 28 लोगों का चयन किया गया । मोतियाबिंद के ऑपरेशन रोहित आई हॉस्पिटल में किए जाएंगे। इसके साथ ही शिविर में वरिष्ठ दंत रोग चिकित्सक डॉ. नितिन अग्रवाल एवं उनके सहायक चिकित्सकों डॉ देवांशी अग्रवाल एवं डॉ. श्रद्धा गीते द्वारा दांतों की सफाई स्केलिंग, एक्स-रे, दातों का एक्ट्रेशन, दांतों की फीलिंग आदि के लिए शिविर स्थल पर ही उपकरण स्थापित कर उनका उपचार किया गया।

भारतीय स्टार्टअप विन्जो द्वारा की गई इस अनूठी पहल में, कैरी मिनाटी और गेम डेवलपर्स सहित भारत के प्रमुख कंटेंट क्रिएटर्स को सम्मानित किया गया

विन्जो ने भारत में कंटेंट क्रिएटर्स को प्रोत्साहित किया

संवाददाता ● नई दिल्ली

भारत के सबसे बड़े इंटरैक्टिव एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म विन्जो ने स्टार्टअप महाकुंभ 2025 के दौरान नई दिल्ली में 'क्रिएटर्स अवार्ड्स' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम देश में तेजी से विकसित हो रहे कंटेंट क्रिएटर इकोसिस्टम को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस मौके पर विन्जो ने 80 गेमिंग कंटेंट क्रिएटर्स, 18 गेम डेवलपर्स और कुछ छात्रों को भारत के गेमिंग और कंटेंट इंडस्ट्री में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। इन प्रतिभाओं को विन्जो के ब्रांड एंबेसडर और एशिया के सबसे बड़े यूट्यूबर कैरी मिनाटी ने सम्मानित किया।

सम्मानित

विन्जो ने मीडिया और एंटरटेनमेंट स्किल्स काउंसिल (MESC) के सहयोग से विजेताओं को 'स्किल इंडिया सर्टिफिकेट' भी प्रदान किया, जो डिजिटल कंटेंट इंडस्ट्री में उनके कौशल और योगदान की आधिकारिक मान्यता है। इस कार्यक्रम ने भारत में इंटरैक्टिव मनोरंजन के भविष्य को आकार देने में गेमिंग कंटेंट क्रिएटर्स की बढ़ती भूमिका को उजागर किया।

'इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2025' के अनुसार, भारत में पिछले 5 वर्षों में कंटेंट क्रिएटर इकोनॉमी ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी है। 2020 में जहां महज 9.62 लाख इन्फ्लुएंसर्स थे, वहीं 2024 तक यह आंकड़ा 4.06 मिलियन को पार कर गया। इस रिपोर्ट को विन्जो और इंटरैक्टिव एंटरटेनमेंट एंड इनोवेशन काउंसिल (IEIC) द्वारा तैयार किया गया है, और इसका अनावरण भी स्टार्टअप महाकुंभ 2025 में हुआ।

इस बढ़त में सबसे बड़ा योगदान गेमिंग क्रिएटर्स का रहा है, जिनकी संख्या में 2020 से 2022 के बीच 213% की वृद्धि देखी गई और 2024 के अंत तक यह 4.67 लाख तक पहुंच गई। ये क्रिएटर्स प्रोडक्शन, डायरेक्शन, स्क्रिप्ट राइटिंग और एनीमेशन जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहे हैं।

सरकार द्वारा हाल ही में 1 बिलियन डॉलर का फंड और नेशनल क्रिएटर अवार्ड्स की घोषणा के बीच विन्जो द्वारा यह सम्मान देना विशेष रूप से प्रासंगिक है। विन्जो का मुख्य उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना है, चाहे वह गेम डेवलपर इकोसिस्टम को बढ़ाना हो या कंटेंट से पैसे कमाना। कंटेंट क्रिएटर्स का समर्थन करने के लिए विन्जो की कई पहलें तीन काम करती हैं: एक आत्मनिर्भर गिग अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, गेमिंग इन्फ्लुएंसर्स को अपने शौक को पेशे में बदलने में मदद करना और भारत के तेजी से बढ़ते क्रिएटर इकोसिस्टम में योगदान करना। वे डिजिटल उद्यमिता को बढ़ावा देने के विन्जो के बड़े लक्ष्य को दर्शाते हैं, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में, जहाँ से प्लेटफ़ॉर्म द्वारा बनाए गए 70% से अधिक गिग अवसर आते हैं। विन्जो ने पहले ही पूरे भारत में गिग वर्कर्स के लिए 100,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। यह क्रिएटर्स को गेम रिव्यू, ट्यूटोरियल और रणनीति कंटेंट से पैसे कमाने में मदद करता है, जिससे भाषा, स्थान और सामाजिक-आर्थिक बाधाओं की चिंता किये बगैर कमाई का एक स्थायी स्रोत मिलता है। 250 मिलियन से अधिक पंजीकृत यूजर्स और 5 बिलियन मासिक लेनदेन के साथ, प्लेटफ़ॉर्म ने कोंकणी, कच्छी, हरियाणवी, मालवणी आदि जैसी क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में 1 मिलियन घंटे से अधिक का कंटेंट बनाने में मदद की है।

"विन्जो सुपरस्टार इनिशिएटिव" क्रिएटर्स को आसानी से पैसे कमाने का अवसर देता है। इसमें काम के हिसाब से बोनस और दोस्तों को जोड़ने पर इनाम भी मिलता है। इससे क्रिएटर्स अपने कंटेंट और दोस्तों के जरिये नए यूजर्स को जोड़कर सीधे पैसे कमा सकते हैं। इस प्रोग्राम से 75,000 से ज्यादा इन्फ्लुएंसर्स को फायदा हुआ है और ये संख्या लगातार बढ़ रही है। इनमें से 20% क्रिएटर्स ने विन्जो के प्लेटफॉर्म पर आने के बाद पहली बार इनकम टैक्स भरा। इससे पता चलता है कि विन्जो डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को औपचारिक रूप से काम करने में मदद कर रहा है। विन्जो डिजिटल तरीके से कमाई के नए मौके दे रहा है और गेमिंग को भारत के बढ़ते कंटेंट क्रिएटर उद्योग का एक अहम हिस्सा बना रहा है।

कैरी मिनाटी ने गेमिंग क्रिएटर्स को सशक्त करने में ऐसी पहलों के महत्व के बारे में कहा, ''मैं उन सभी लोगों को बधाई देता हूं जो भारत में कंटेंट बना रहे हैं और क्रिएटर इकोनॉमी एवं गेमिंग उद्योग को आगे बढ़ा रहे हैं। विन्जो जैसे प्लेटफॉर्म क्रिएटर्स को लोगों से जुड़ने और अपने शौक से पैसे कमाने के नए तरीके देते हैं। गेमिंग सिर्फ मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा विकसित होता उद्योग है जिसमें कॅरियर बनाने और दुनिया भर के लोगों से जुड़ने की बहुत संभावना है।'

दूसरी बार भी चोरीछुपे बेकरी चलाते हुए छापे में धराया

कन्फेक्शनरी व्यापारी एक्सपायरी माल से बना रहा था बच्चों की जैली !

संवाददाता ● इंदौर

कन्फेक्शनरी व्यापारी नरेश गंगवानी द्वारा बच्चों के लिए तैयार की जाने वाली जैली में एक्सपायरी डेट के कलर और फ्लेवर का उपयोग किया जा रहा था।

मिलावट

इसके अलावा चार महीने पहले जो मैदा इसकी बेकरी से अनसेफ मिला था उसी मैदे का उपयोग कर यह बेकरी आयटम बनाता मिला जबकि पूर्व में खाद्य विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में गंगवानी ने अपनी गलती को मानते हुए कहा था कि अब वह ऐसी मिलावट नहीं करेगा, लेकिन दूसरी बार जब अफसरों ने छापा मारा तो वह फिर वही मिलावट करते हुए पकड़ा गया। अब उस पर एडीएम कोर्ट के अलावा जिला कोर्ट में भी केस चलेगा।

एडीएम गौरव बैनल ने बताया कि गंगवानी इसके पूर्व में भी विवादित रहा है और इसके पूर्व शुरू की गई दवा कंपनी के सैंपल भी कई राज्यों में फेल हुए थे। तब दवा कंपनी बंद कर इसने कन्फेक्शनरी और बेकरी का काम शुरू किया था। गंगवानी की नेमावर रोड़ पर एक ही परिसर में दो फैक्ट्री तिरूपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स और तिरूपति कन्फेक्शनर्स हैं। यहां पर गंगवानी कन्फेक्शनरी और बेकरी आयटम का निर्माण कार्य करता है। एक बार कार्रवाई किए जाने के बाद अफसरों को दूसरी बार भी शिकायत मिली कि यहां पर मिलावट का काम अब भी किया जा रहा है। इस पर जब अफसरों ने मौके पर छापा मारा तो पता चला कि जिस मैदे को अनसेफ मानते हुए दूसरी बार जांच के लिए पुणे की लैब भेजा था। उसी मैदे का उपयोग करके बेकरी आयटम का निर्माण किया जा रहा था। साथ ही इसने बेकरी का लायसेंस ही नहीं ले रखा है। केवल कन्फेक्शनरी के लायसेंस पर ही बेकरी का संचालन भी कर रहा है।

वेफर्स मिले थे मिस ब्रांडेड

कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में खाद्य विभाग ने 22 नवंबर 2024 को तिरुपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स, ग्राम बड़ियाकीमा, नेमावर रोड का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान बच्चों की चॉकलेट जैली व वेफर्स, मैदा और खारी के सैंपल लिए थे। जिनमें से वेफर्स मिस ब्रांडेड मिला था। इस पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रकरण को एडीएम कोर्ट में पेश कर दिया है।

पहले दवाई का करता था कारोबार

असल में खाद्य कारोबारी नरेश गंगवानी इससे पूर्व में उत्तराखंड में दवा मेन्यूफेक्चरिंग का काम करता था। उस दौरान भी इसके सैंपल बड़ी मात्रा में अलग-अलग राज्यों मप्र, महाराष्ट्र, उत्तराखंड में फेल हो गए थे। इस पर गंगवानी ने अपनी दवाई फेक्ट्री बंद की और इंदौर में आकर वेफर्स और चॉकलेट बनाने का काम शुरु कर दिया था। बताया गया कि गंगवानी पूर्व में भी कई बार विवादित रह चुका है। इसने अभी तक जो भी फर्म खोली और कारोबार किया तो उसमें मिलावट और अनियमितताएं ही पाई गईं हैं।

मैदा मिला अनसेफ

इसी पते पर पहली मंजिल पर नरेश गंगवानी द्वारा फर्म तिरुपति कन्फेक्शनर्स का संचालन भी किया जा रहा था। इसके निरीक्षण निरीक्षण में मौके पर खाद्य पदार्थ खारी व मैदा के कुल दो सैंपल लिए थे। इसकी रिपोर्ट में मैदा अनसेफ आया था। इस पर व्यापारी गंगवानी ने रिपोर्ट को चैलेंज करते हुए उसे जांच के लिए रेफरल लैब पुणे भेजा था। उसकी रिपोर्ट भी हालही में आई है। इसमें भी मैदा अनसेफ आया है। अब असुरक्षित खाद्य पदार्थ से संबंधित प्रकरण अभियोजन स्वीकृति के लिए भोपाल में खाद्य सुरक्षा आयुक्त के पास भेजा जा रहा है। अफसरों को मौके से एक्सपायरी फ्लेवर और एक्सपायरी कलर भी मिला है। गंगवानी से इसके बारे में पूछा गया तो वह बोला कि इसे ऐसे ही रखा है।

शॉर्ट न्यूज

जाम खुलवा रहे आरक्षक को डंपर ने कुचला

इंदौर। स्कीम-136 में एक तेज रफ्तार डंपर ने ड्यूटी कर अपने घर लौट रहे पुलिस आरक्षक की जान ले ली। टक्कर के बाद बाइक डंपर के अगले पहिए में फंस गई और आरक्षक सहित बाइक को 20 फीट तक डंपर घसीटते हुए ले गया। आरक्षक अजय शर्मा की ड्यूटी देवास नाका चौराहे पर लगी थी। आरक्षक देवास नाके पर ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान वायरलेस सेट पर चंद्रगुप्त मौर्य चौराहे पर जाम खुलवाने के निर्देश अधिकारियों से मिले थे। वह मौके पर साथी के साथ जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। अजय के साथ आरक्षक चयन सिंह भी थे। दोनो अलग-अलग बाइक पर थे। अजय की गाड़ी को डंपर ने पीछे से टक्कर मारी थी। लोगों ने डंपर को रुकवाया और बाइक में फंसे आरक्षक को निकालने की कोशिश की, लेकिन मौके पर ही आरक्षक की मौत हो चुकी थी। मौका देख चालक डंपर छोड़कर भाग गया घटना हीरानगर थाना क्षेत्र की है।

हद हो गई... बस अड्डा बना दिया, पहुंच मार्ग गायब

इंदौर। विकास प्राधिकरण ने 40 करोड़ खर्च कर एमआर-10 पर कुमेड़ी में बस अड्डा तो बना दिया, लेकिन जो सड़क इसको जोड़ती है, वहां सुबह शाम ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है। यदि बस स्टेशन शुरू होता है तो चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा चौराहा और आईटीआई मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव और बढ़ जाएगा। इसे देखते हुए अभी स्टेशन पर बसों का संचालन शुरू नहीं किया जा रहा है। बस स्टेशन से दो रेलवे स्टेशन और एक बस स्टैंड को जोड़ने वाली एमआर-4 सड़क के निर्माण पर फिलहाल नगर निगम फोकस कर रहा है। कुमेड़ी बस स्टेशन की तरफ जाने के लिए सबसे बड़ा जंक्शन चंद्रगुप्त मौर्य प्रतिमा चौराहा है, जहां सुबह और शाम कई बार यातायात बाधित होता है। कुमेड़ी बस स्टेशन इंदौर का सबसे बड़ा बस स्टेशन है।

पुलिस को देख भाग रहे तीन युवक ड्रग्स के साथ धराए

इंदौर । विजयनगर टीआई की टीम ने अंकित, अंकुर व तन्मय शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक तीनों युवक बिजनेस पार्क इलाके में संदिग्ध हालत में गाड़ी से घूम रहे थे। सिपाहियों को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम हैं- -अंकित कनासे निवासी ग्राम बरखेड़ा, थाना बलवाड़ा जिला खरगोन, अंकुर पुरोहित व तन्मय शर्मा दोनों निवासी अहिल्यापुरा रेडियो कॉलोनी, आजाद नगर इंदौर। इनसे पूछताछ में पता चला कि अंकित के खिलाफ आजाद नगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। अंकुर पूर्व में धोखाधड़ी के केस में गिरफ्तार हो चुका है जबकि तन्मय पर छोटी ग्वालटोली थाने में मारपीट का केस दर्ज है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि ये ड्रग्स कहां से लाए और किसे बेचने की योजना थी।

सभी पटवारियों के हलकों का नए सिरे से होगा निर्धारण

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय

संवाददाता ● इंदौर

जिले में सभी पटवारियों के हल्कों का रेण्डमाईजेशन किया जायेगा। इससे सभी पटवारियों को नये हल्के मिलेंगे। यह रेण्डमाइजेशन एनआईसी के विशेष पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही जिले में समग्र आईडी के ईकेवायसी के कार्य को भी तेजी देते हुए शीघ्र पूरा किया जायेगा।

निर्णय

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई समय सीमा के पत्रों की निराकरण की बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्ये कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर राजेंद्र रघुवंशी, रोशन राय तथा निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, कार्यक्रम और गतिविधियों के क्रियान्वयन सहित अंतर्विभागीय समन्वय से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने तहसील क्षेत्रों में पटवारियों के हल्कों का नये सिरे से निर्धारण करें। यह रेण्डमाईजेशन एनआईसी के पोर्टल के माध्यम से करें। बैठक में

उन्होंने समग्र आईडी की ईकेवायसी कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि इंदौर नगर निगम क्षेत्र में इस कार्य पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली सभी कार्यालयों में स्थापित करने के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस की सभी तैयारियाँ सभी विभाग पूर्ण कर ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य करना प्रारंभ करें।

उन्होंने जिले में सीमांकन और आरआरसी वसूली पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आरआरसी के तहत सभी बकायादारों को नोटिस जारी किये जाये। सभी बकायादारों से वसूली करें। बकाया जमा नहीं करने वालों के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि धारणाधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त सभी आवेदनों का सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गत माह औसत से अधिक आवेदन प्राप्त हुए है, इसको देखते हुए निराकरण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

ट्रम्प के टेरिफ का असर :

सोना 1000 रुपए सस्ता, चांदी के भी दाम 1500 घटे

इंदौर। ट्रंप के टैरिफ के असर से दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। भारतीय स्टॉक मार्केट भी टूट गए। शेयर बाजार टूटने के साथ सोने के दाम भी गिरते नजर आए। लगातार तीसरा दिन रहा, जब सोने में नरमी दर्ज हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत घटकर 3024 डालर प्रति औंस रह गई है। सैद्धांतिक रूप से होने चाहिए था कि शेयर बाजार गिरे तो सोने में तेजी आती। हालांकि इस साल के चार महीनों में सोने के भाव में अप्रत्याशित तेजी आई, तब कहा जा रहा था कि सेंट्रल बैंकों की खरीदी तेजी के पीछे वजह है, लेकिन अब ताजा गिरावट ने साफ कर दिया है कि सोने में हेज फंडों की ओर से कृत्रिम तेजी लाई गई थी। ऐसे में अब शेयर बाजार की गिरावट का घाटा बराबर करने के लिए सोने की बिकवाली भी करना पड़ रही है। नतीजा सोना भी गिर रहा है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि सोने में अब भी 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आने की गुंजाइश बनी हुई है। हालांकि बाजार सोने की गिरावट से खुश है, क्योंकि भाव कम होने के साथ बाजार में उपभोक्ता ग्राहकी निकलने लगेगी। अब तक ऊंचे दामों पर ग्राहक बाजार से दूर हो रहे थे।

रात का तापमान भी बढ़ने लगां

अभी से 40 डिग्री पार ! अब आगे क्या होगा

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर, भोपाल समेत प्रदेश के कई शहरों में अप्रैल के पहले सप्ताह में ही गर्मी ने भीषण दस्तक दे दी है। दोपहर के समय विशेष रूप से 12 से 4 बजे तक, गर्मी का प्रभाव अधिक महसूस किया जा रहा है। सोमवार को दिन का तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक था। वहीं रविवार को तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था। रविवार की रात का तापमान भी सामान्य से 3 डिग्री अधिक यानी 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की आशंका है। अप्रैल की शुरुआत में ही मौसम के इस बदले रूप से यह संकेत मिलते हैं कि इस बार गर्मी का असर पहले से अधिक तेज और लंबे समय तक रहेगा। प्रदेश में ओले-बारिश का सिस्टम खत्म होते ही दिन के साथ रातें भी गर्म होने लगी हैं। सोमवार को प्रदेश के लगभग सभी शहरों में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। नर्मदापुरम और रतलाम में पारा 44 डिग्री या इसके पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, नर्मदापुरम में 44.3 डिग्री और रतलाम में 44 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम

मौसम में बदलाव का वैज्ञानिक दृष्टिकोण- पिछले कुछ दिनों से सक्रिय रहा ओले और बारिश का सिस्टम अब आगे बढ़ चुका है। अब राजस्थान से सटे जिलों में हीट वेव यानी लू का असर दिखाई देने लगेगा। 8 अप्रैल को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के सक्रिय होने की संभावना जताई गई है, जिससे पूर्वी क्षेत्रों में मौसम में बदलाव हो सकता है। यह परिवर्तन अल्पकालिक हो सकता है, लेकिन इसके बाद तापमान में फिर वृद्धि होने के आसार हैं।

सामान्य मौसम चक्र और इस बार की स्थिति

आमतौर पर मध्य प्रदेश में अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से गर्मी का असर तेज़ हो जाता है लेकिन इस बार अप्रैल की शुरुआत में ही तापमान सामान्य से काफी अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। महीने के अंतिम दिनों में तो तापमान कई बार रिकॉर्ड तोड़ देता है। इंदौर जैसे शहरों में यह स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, क्योंकि यहां की आबादी और शहरीकरण गर्मी को और बढ़ा देते हैं।

पिछले साल के निष्कर्ष

पिछले 10 वर्षों के डेटा विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े शहरों में अप्रैल और मई में तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है। अध्ययन के अनुसार भोपाल और इंदौर में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जबकि जबलपुर में यह आंकड़ा 44 डिग्री को भी पार कर गया था। पिछले वर्ष इंदौर में गर्मी ने लोगों को काफी परेशान किया था और इस बार की शुरुआत से ही मिल रहे संकेत यह दर्शाते हैं कि आने वाले सप्ताहों में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।

लापरवाही मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी

कॉलेजों में प्राचार्य और प्रोफेसरों की हाजिरी अब सार्थक ऐप से लगेगी

संवाददाता ● इंदौर

संभागायुक्त दीपक सिंह ने संभाग के सभी शासकीय कॉलेजों के प्राचार्य व प्रोफेसर को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपनी उपस्थिति सार्थक ऐप में अवश्य अंकित करायें। साथ ही वे संस्थान में रोज कितने घंटे कार्य कर रहे हैं, इसकी जानकारी भी सार्थक ऐप में दर्ज कराना सुनिश्चित करें। जो प्राचार्य, प्रोफेसर, कर्मचारी अध्यापन व अन्य प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही बरतेंगे या शासकीय नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी

कार्रवाई

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में संभाग के सभी शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शैक्षणिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें

संयुक्त आयुक्त डी.एस. रणदा, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. आर.सी. दीक्षित, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अजय वर्मा सहित संभाग के विभिन्न शासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे। संभागायुक्त सिंह ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अजय वर्मा को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि बैठक में जिन अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित नहीं हुए, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाये। संभागायुक्त सिंह ने अतिरिक्त संचालक डॉ. आर.सी. दीक्षित को कहा कि संभाग के सभी शासकीय कॉलेजों के ऐसे प्रोफेसरों की सूची बनायी जाये, जिनके मार्गदर्शन में शोधार्थी छात्र पीएचडी कर सकते हैं। जिन महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम नहीं है, वहाँ रिसर्च सेंटर बनाये जाये ताकि पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को सुविधा मिल सके।

इंदौर प्रेस क्लब के 63वें स्थापना दिवस पर वरिष्ठ पत्रकारों का मत

AI से खुलेंगे अवसर, बरकरार रखें मौलिकता

आपको तकनीक के इस दौर में मौलिकता को बरकरार रखना होगा और मौलिकता हमेशा ही जीवंत रहेगी।

संवाददाता ● इंदौर

जो लोग तकनीक का उपयोग अपने काम को बेहतर करने के लिए करते हैं, वो भविष्य में बहुत तेजी से आगे बढ़ेंगे और जो तकनीक को नहीं सीखना चाहते, ऐसे लोग पीछे रह जाएंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नौकरियां नहीं खा सकता। आपको तकनीक के इस दौर में मौलिकता को बरकरार रखना होगा और मौलिकता हमेशा ही जीवंत रहेगी।

तकनीक

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कृत्रिम बुद्धि का धमाल : नौकरी लेगा या करेगा कमाल' इस विषय पर ये विचार वरिष्ठ पत्रकारों ने प्रेस क्लब में व्यक्त किए। मौका था प्रेस क्लब इंदौर के 63वें स्थापना दिवस प्रसंग इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव 2025 का। पीटीआई के डिजिटल सर्विसेज एंड फैक्ट चेकिंग हेड प्रत्यूष रंजन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पत्रकारिता को कभी खत्म

पत्रकारों ने बेबाकी से उठाए मुद्दे

शुभारंभ सत्र में सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर की पत्रकारिता शहर के विकास की आत्मा है। इंदौर के पत्रकारों ने विकास से जुड़े मुद्दों को बेबाकी से उठाया है। वहीं, प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि इंदौर के संपादक जब भी दिल्ली गए तो वे संपादक बनकर नहीं गए, पत्रकारिता को बदलने गए थे। इंदौर के पोहे जलेबी की बात होती है, लेकिन इंदौर के पत्रकारिता घराने की बात ज्यादा नहीं होती। पत्रकारिता महोत्सव के शुभारंभ सत्र में अतिथियों का परिचय प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने किया। कार्यक्रम का

नहीं कर सकती। वह पत्रकारिता की कमियों को दूर जरूर करेगी। जो डाटा का सही उपयोग करेगा, वह तेजी से आगे बढ़ेगा। एनडीटीवी के सीनियर एडिटर हिमांशु शेखर ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक स्मार्टफोन उपयोग करने वाले देशों में से एक है। यहां फेसबुक, गूगल का उपयोग भी करोड़ों नागरिक करते हैं। उन्होंने कहा कि एआई से न्यूज एंकर बनाए जरूर गए, लेकिन लोगों ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। लोगों को वास्तविक चीज ही पसंद आती है। वेब दुनिया के संस्थापक विनय छजलानी ने कहा कि इंसान ने पहिए का आविष्कार किया और विकास को गति दी। अब इंसान ने एक ऐसी तकनीक बनाई है, जो उससे भी ज्यादा बुद्धिमान है, जो भविष्य में संवेदनशील भी बन जाएगी।

दिल्ली या यूपी, कौन मारेगा बाजी

महानगरों के प्रदूषण से बचने के लिए लोग पहाड़ों का रुख करते हैं, पर अब तो वो भी इससे अछूते नहीं रहे। वायु गुणवत्ता पर निगरानी रखने वाली स्विस कंपनी आईक्यू एयर की हालिया रिपोर्ट की मानें तो मेघालय का बनीर्हाट दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। ऊंचे झरनों और पारदर्शी नदियों वाले पूर्वोत्तर के इस खूबसूरत राज्य का नाम सबसे खराब हवा के मामले में अव्वल आना चौंकाने वाला है। इसकी खूबसूरती पर दाग लगाने के लिए भी वही कारण ज़िम्मेदार हैं, जो शहरों की हवा बिगाड़ रहे। सीमेंट, स्टील संयंत्रों से निकलने वाले धुएं और इनका माल ढोने वाले हजारों ट्रकों की आवाजाही ने यहां की हवा को विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानकों से 22 गुना अधिक जहरीला बना दिया।रिपोर्ट से साफ है कि प्रदूषण अब सिर्फ महानगरों की ही समस्या नहीं रह गया, बल्कि छोटे शहरों को भी ये अपनी चपेट में ले चुका है। इसकी गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाइए कि दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में 13 भारत के हैं।

दिल्ली एक बार फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। इसके कुछ दिन बाद आई सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट की रिपोर्ट भी यही बता रही है कि बीती सर्दियों में दिल्ली सबसे प्रदूषित महानगरों में रही। 40 दिन तक तो हवा की गुणवत्ता बेहद ही खराब श्रेणी में रही। सवाल यह है कि आखिर समस्या इतनी विकराल कैसे होती जा रही? इसका जवाब संसद में पेश हालिया रिपोर्ट में मिल जाता है। इसके मुताबिक इस वित्त वर्ष में प्रदूषण नियंत्रण योजना के लिए आवंटित 858 करोड़ रुपये में से मात्र 7.22 करोड़ रुपये यानी एक प्रतिशत से भी कम राशि खर्च की गई। सरकारी तंत्र के ऐसे ढुलमुल रवैये की वजह से ही हवा के साथ साफ पानी के लिए भी हम तरस रहे हैं। हाल में आई दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमिटी की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी में बह रही यमुना नदी सीवेज बनकर रह गई है। इसमें फेकल कोलीफॉर्म (ह्यूमन वेस्ट से पानी में आने वाला बैक्टिरिया) का स्तर तय मानक से 6400 गुना अधिक पाया गया। वहीं, जलीय जीवों के लिए जरूरी ऑक्सिजन का स्तर भी तय मानक से 72 गुना कम हो चुका है। दिल्ली में अनट्रीटेड सीवेज और इंडस्ट्रियल वेस्ट के लंबे समय तक यमुना में गिरने की वजह से इसकी यह हालत हो गई है।

> **यमुना की ऐसी हालत के पीछे एक और बड़ा कारण है और वह यह कि इस नदी को लेकर यहां सिर्फ राजनीति ही हुई, काम नहीं। नदी को साफ करने का वादा कर सत्ता में आई दिल्ली की नई सरकार की सीएम दावा कर रही हैं कि यमुना को भी अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तरह चमका देंगी। अब इस पर कितना यकीन करें क्योंकि ऐसे दावे तो पिछली सरकार ने भी किए थे।**

यमुना की ऐसी हालत के पीछे एक और बड़ा कारण है और वह यह कि इस नदी को लेकर यहां सिर्फ राजनीति ही हुई, काम नहीं। नदी को साफ करने का वादा कर सत्ता में आई दिल्ली की नई सरकार की सीएम दावा कर रही हैं कि यमुना को भी अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तरह चमका देंगी। अब इस पर कितना यकीन करें क्योंकि ऐसे दावे तो पिछली सरकार ने भी किए थे। 40 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए जो 500 करोड़ रुपये खर्च करने की बात सरकार कर रही है, वह भी नई नहीं है। पिछली सरकार ने भी कहा था कि गंदे नालों का पानी अब नदी में ट्रीट होकर ही जाएगा, वह आज तक नहीं हुआ और आगे भी होगा, कोई गारंटी नहीं।

इसके अलावा, राजधानी में पहले ही बड़े मसलों की इतनी भरमार है कि जो हर बार यमुना सफाई के मुद्दे पर हावी हो जाते हैं। अब इस बार भी बजट का बड़ा हिस्सा मुफ्त की रेवड़ियों पर चला जाएगा तो बाकी के लिए पैसा कहां से आएगा, इसका जवाब फिलहाल सरकार के पास भी न हो। बहरहाल, दिल्ली में यमुना कब चमकेगी पता नहीं, लेकिन यूपी के सीएम योगी ने मथुरा में 30 किमी लंबे यमुना रिवरफ्रंट को अगले 6 साल के भीतर तैयार करने का ऐलान कर दिया है। देखते हैं, यमुना को जीवनदान देने के मामले में दिल्ली और यूपी में से कौन बाजी मारता है।तीन साल के भीतर ही उन्होंने इमिग्रेशन पर रोक लगा दी और टैरिफ को लगभग दोगुना कर दिया। दूसरी तरफ, अमेरिका अपनी अर्थव्यवस्था को लगातार खोल रहा था, उच्च शिक्षा में निवेश कर रहा था और अत्याधुनिक शोध कर रहा था।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें।

अपने जामवंत खुद बन भीतर के हनुमान को जगाइए

एडिट.नोट

हममें से अधिकतर लोग एक सामान्य जीवन जीते हैं झ हर सुबह अलार्म की आवाज में आंख खुलती है, दौड़भाग, काम, तनाव और थकावट से भरा दिन, और फिर रात को बिस्तर पर वही एक सोच झ क्या बस यही है जीवन? पर कहीं न कहीं, एक और आवाज होती है झ धीमी, लेकिन गहरी, जो बार-बार पूछती है- ॢक्या तुम सचमुच वही हो जो अभी हो?ॢ या फिर तुम कुछ और बन सकते हो?

इस सवाल का जवाब हमें रामायण की अनुपम कथा में मिलता है। वह प्रसंग जब सीता जी की खोज के लिए वानर दल समुद्र के किनारे खड़ा था। सब चुप थे। कोई भी यह नहीं कह पा रहा था कि वह समुद्र पार कर सकता है। और वहीं खड़े थे हनुमान झ शक्तिशाली, पर अपनी ही क्षमता से अनजान। तभी सामने आते हैं जामवंत, और कहते हैं झ ॢहे वीर, क्या तुम भूल गए कि तुम कौन हो? तुम्हारे भीतर अपार बल है। जैसे ही जामवंत उन्हें उनका सत्य याद दिलाते हैं, हनुमान को अपनी शक्तियां स्मरण हो जाती हैं। वे विशाल रूप लेते हैं, और समुद्र को एक ही छलांग में पार कर जाते हैं। वो काम, जो उन्हें असंभव लग रहा था, अब सहज हो जाता है। अब सोचिए, अगर हनुमान जैसे महाबली को भी किसी जामवंत की जरूरत पड़ी, तो हम और आप कैसे अपने सामर्थ्य को पहचानें? लेकिन यहां एक फर्क है। हर किसी को जीवन में कोई जामवंत नहीं मिलता।कोई ऐसा नहीं आता जो कंधा पकड़कर कहे झ ॢतू कर सकता है। तू उड़ सकता है।ॢ इसलिए जरूरी है कि हम अपना जामवंत खुद बनें। वो आवाज खुद बनें जो कहे झ ॢमैं अधूरा नहीं हूं। मैं बस सोया हुआ हूं। और अब जागने का वक्त है।ॢ हमारे भीतर अपार ऊर्जा है, अद्भुत कल्पनाशक्ति है, निर्णय लेने की ताकत है, और हालात को बदल देने की हिम्मत है। पर इन शक्तियों को हम तब तक नहीं पहचान पाते, जब तक कोई भीतर से हमें जगा न दे।

तो क्यों न वह ॢजागृतिॢ खुद से ही शुरू हो? जब हम अपनी क्षमताओं को पहचानते हैं, तो हम केवल अपने जीवन को ही नहीं बदलते, बल्कि अपने परिवार, अपने समाज और अपने समय को भी छूते हैं। जैसे हनुमान ने सीता की खोज कर राम का कार्य संभव किया, वैसे ही हम भी किसी के जीवन में प्रकाश की किरण बन सकते हैं। तो इंतजार किसका, आज से एक नई शुरूआत करें झ हर सुबह खुद से कहें: ॢमेरे भीतर अपार शक्ति है। अपनी सबसे बड़ी कमजोरी को देखें, और तय करें: ॢइसे मैं बदलूँगा।ॢ हर दिन एक छोटा-सा काम ऐसा करें जो आपकी आत्मा को सुकून दे झ कोई सेवा, कोई रचना, कोई साहसिक निर्णय। आपका ये छोटा-सा कदम, आपके भीतर के हनुमान को जगा देगा। और जब वो जाग जाएगा झ तो कोई भी समुद्र बड़ा नहीं लगेगा, कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहेगा। आपके जीवन का हर दिन कोई न कोई करामात से भरा दिन साबित होगा। याद रखिए झ आपके भीतर भी एक हनुमान है। जरूरत है बस झ एक जामवंत की। और वो जामवंत आप खुद बन सकते हैं। जरा रोज ध्यान का अभ्यास शुरू करें। वह आपको बाहरी दुनिया से हटाकर भीतरी दुनिया की ओर लेकर जाएगा। यही वह दुनिया है जहां आपकी तमाम शक्तियां छिपी हुई हैं। वहीं आपका जामवंत भी बैठा हुआ है। जगाओ उसे। खुद को जानो और मुक्त हो जाओ।

एन रघुरामन- लेखक

क्या युवा पीढ़ी डिजिटल डिमेंशिया का शिकार होती जा रही है?

रविवार की सुबह मैंने इंदौर में बिना जीपीएस का उपयोग किए गाड़ी चलाई और वो जगह ढूंढने में सफल रहा, जहां 21 साल पहले विजयनगर के भीड़भाड़ वाले इलाके में मैं जाया करता था। इसमें मुझे शायद पांच मिनट ज्यादा लगे, लेकिन रविवार को ट्रैफिक न होने के कारण मैं अपनी याददाश्त का सहारा लेकर आसानी से स्थान ढूंढ पाया। अब मैं अपने जीवन में ज्यादा से ज्यादा दिमाग पर जोर डालने वाले काम कर रहा हूं। इसका मतलब है कि मैं अनजान जगहों पर भी जीपीएस बंद कर देता हूं। जब मुझे पते याद रखने होते हैं और वहां पहुंचने का रास्ता जानना होता है, तो मैं हाथ से नोट्स बनाता हूं। मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं? लंबे समय तक मैं मुंबई में भी जीपीएस पर निर्भर रहा, जहां मैं पिछले 45 सालों से रह रहा हूं। ऐसा नहीं था कि मुझे रास्ते नहीं पता थे, बल्कि जीपीएस वैकल्पिक रास्ते दिखाता था जो मुझे मेरी मंजिल तक तेजी से पहुंचाते थे।

धीरे-धीरे मैंने महसूस किया कि जितना अधिक मैं जीपीएस का प्रयोग करता हूं, उतना ही मैं अपने आप रास्ता खोजने में कमजोर होता जा रहा हूं। ये पहले से ही कई लोगों के साथ हो चुका है जब बात मोबाइल में कॉन्टैक्ट्स की आती है, तो अधिकांश लोग अब कॉन्टैक्ट्स याद रखने की चिंता नहीं करते, जिससे हम धीरे-धीरे ॢडिजिटल डिमेंशियाॢ के जाल में फंस जाते हैं। डिजिटल डिमेंशिया क्या है? यह इंटरनेट और इंटरनेट-से जुड़े उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता है, जो संज्ञानात्मक हानि का कारण बनती है, जैसे कि ध्यान में कमी और स्मृति अवधि में कमी। यह प्रारंभिक डिमेंशिया की शुरूआत को भी तेज कर सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि स्मार्टफोन का उपयोग मस्तिष्क के बाएं हिस्से को उत्तेजित करता है, जबकि दायां हिस्सा, जो ध्यान से जुड़ा होता है, उसका इस्तेमाल ही नहीं हो पाता और अंततः कमजोर हो जाता है। इससे भूलने की बीमारी बढ़ गई है, क्योंकि उपयोगकर्ता अपने स्मार्टफोन पर छोटी से छोटी जानकारी याद रखने के लिए भी निर्भर रहते हैं। उस दिन बाद में, जब मैं कुछ सैकड़ों छात्रों को संबोधित कर रहा था, तो मुझे एहसास हुआ कि युवा पहले से ही डिजिटल डिमेंशिया के चंगुल में हैं। मैं उनसे मेनिफेस्टेशन यानी सकारात्मक कल्पना की कला के बारे में बात कर रहा था, और कैसे यह परीक्षाओं में उनके अंक सुधार सकती है। मैंने उन्हें कुछ प्रश्न दिए और उनसे समय लेकर सावधानीपूर्वक जवाब लिखने का अनुरोध किया क्योंकि वाक्यों में गलत शब्दों का उपयोग मेनिफेस्टेशन के अर्थ को पूरी तरह से बदल सकता है। दुर्भाग्यवश, उन्होंने सही शब्दों के चयन में चैटजीपीटी नामक एआई टूल का सहारा लिया, जबकि यह सोच-विचार वाला मूल काम था। वे जानते थे कि वे क्या चाहते हैं, लेकिन इसे समेट नहीं पाए या उन्हें सही शब्द नहीं मिल पाए जो उनके विचारों को सबसे अच्छे तरीके से व्यक्त कर सकें।

ऐसा इसलिए है क्योंकि वे आलसी हो गए हैं और सोचते हैं कि उन्हें कुछ ऐसा करना चाहिए जो एक साधारण टूल उनके लिए कर सकता है। जैसे कागजी कैलेंडर लंबे समय तक अपॉइंटमेंट्स रखते थे, और हमारे दिमाग के एक कोने में हम उन्हें याद रखते थे, लेकिन आज डिजिटल कैलेंडर हमें अलर्ट करते हैं जब हमें अपॉइंटमेंट के लिए जाना होता है, इसलिए हम उन्हें कभी याद नहीं रखते और दिमाग का वह कोना अप्रयुक्त रह जाता है। जो लोग नियमित रूप से डिजिटल मदद पर निर्भर रहते हैं, वे अकेले काम करने की क्षमता खो सकते हैं। जैसे-जैसे हम डिजिटल युग में आगे बढ़ रहे हैं, यह जानना महत्वपूर्ण है कि हम जिस तकनीक का उपयोग करते हैं, वह हमारे मानसिक स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली को कैसे प्रभावित करती है। अब सवाल यह है कि हमें यह तय करना होगा कि कौन सी क्षमताएं हमें खुद करनी चाहिए और कौन सी नई टूल्स को सौंपनी चाहिए।

बिजनेस

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़े

नई कीमतें कल से लागू होंगी, दिल्ली में अब 853 का मिलेगा

नई दिल्ली। घरेलू गैस सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया है। आज यानी, सोमवार 7 अप्रैल को पेट्रोल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। अभी दिल्ली में गैस सिलेंडर 803 रुपए में मिलता है। दाम बढ़ने के बाद कीमत 853 रुपए हो जाएगी। वहीं उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के गैस सिलेंडर की कीमत 500 से बढ़कर 550 रुपए हो जाएगी।

आखिरी बार सरकार ने 8 मार्च 2024 को महिला दिवस पर सिलेंडर के दामों में 100 रुपए की कटौती थी। तब दिल्ली में सिलेंडर 903 रुपए का था।पेट्रोलियम मंत्री ने कहा- ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को लागत से कम कीमत पर सिलेंडर बेचने के कारण लगभग 41,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस घाटे को कम करने के लिए कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया। 1 अप्रैल को कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 44.50 घटाए थे ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अप्रैल को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 44.50 तक घटाए थे। दिल्ली में इसकी कीमत 41 घटकर 1762 हो गईं। पहले ये 1803 में मिल रहा था। कोलकाता में यह 44.50 घटकर 1868.50 में मिल रहा है, पहले इसके दाम 1913 थे। मुंबई में सिलेंडर 1755.50 से 42 घटकर 1713.50 रुपए हो गया है। चेन्नई में सिलेंडर 1921.50 का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 डऋ्र वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 और मुंबई में 802.50 का मिल रहा है।

कैसे तय होती है गैस सिलेंडर की कीमत

तेल कंपनियां हर महीने पिछले महीने के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों, एक्सचेंज रेट और अन्य लागतों के आधार पर छढ्रऋ की बेस प्राइस तय करती हैं। इसके बाद टैक्स, ट्रांसपोर्ट, और डीलर कमीशन जोड़कर खुदरा मूल्य निकाला जाता है। सब्सिडी वाले सिलेंडर के लिए सरकार अंतर की भरपाई करती है, जबकि गैर-सब्सिडी वाले सिलेंडर की पूरी कीमत ग्राहक चुकाता है।

राज-काज

यूरोपीय बाजारों में गिरावट, जर्मनी का डैक्स इंडेक्स 10% टूटा

बर्लिन। एशियन मार्केट्स में 10% तक की गिरावट के बाद अब यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट है। शुरूआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स इंडेक्स करीब 10% की गिरावट के साथ 18,489 के स्तर पर आ गया है। वहीं वङ के ऋछ्रए 100 इंडेक्स में 5% से ज्यादा की गिरावट है। उधर, अमेरिकी बाजार का डाउ फ्यूचर्स 2.68% नीचे है। इससे आज एक बार फिर अमेरिकी बाजार के शाम को नीचे खुलने के संकेत मिल रहे हैं। र&ढ 500 फ्यूचर्स भी 3.30% गिरा है। टेक शेयरों के इंडेक्स नैस्डैक-100 फ्यूचर्स में 4.20% की गिरावट आई है।अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा।

शेयर बाजार की गिरावट में पैसा बनाने का मौका: मजबूत फंडामेंटल वाले स्टॉक खरीदें

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 7 अप्रैल को 4% से ज्यादा की गिरावट है। वहीं इस साल अब तक बाजार 8% से ज्यादा गिर चुका है। इस गिरावट से निवेशकों में डर का माहौल है। हालांकि, इस गिरावट में सही स्ट्रैटजी आपको अच्छा पैसा कमा के दे सकती है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया और इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट स्वाति कुमारी के अनुसार इस समय मजबूत फंडामेंटल और लार्ज-कैप स्टॉक्स पर फोकस करना चाहिए। ऐसे समय में ये कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं। वहीं कंजम्पशन सेक्टर के शेयर जैसे फार्मा-हेल्थकेयर, एनर्जी और बैंकिंग में निवेश करना चाहिए।

एक्सपर्ट की बताई 7 जरूरी बातें जिनका ध्यान बाजार की गिरावट में रखें... शांत रहें और घबराहट में बिक्री से बचें क्या करें: बाजार में गिरावट के दौरान भावनात्मक फैसले लेने से बचें। स्टॉक्स को सस्ते दाम पर बेचने से नुकसान तय हो जाता है, जबकि होल्ड करने से रिकवरी की संभावना बनी रहती है। क्यों: ऐतिहासिक रूप से, भारतीय बाजार ने बड़े झटकों (जैसे मार्च 2020 में 13.15% की गिरावट) के बाद रिकवरी दिखाई है। अप्रैल 2025 की यह गिरावट भी अस्थायी हो सकती है।

मजबूत फंडामेंटल वाले स्टॉक्स पर ध्यान दें

क्या करें: उन कंपनियों में निवेश करें जिनके पास मजबूत बैलेंस शीट, लगातार प्रॉफिट, और अच्छा मैनेजमेंट है, जैसे कि लार्ज-कैप स्टॉक्स या डिफेंसिव सेक्टर (फार्मा)। क्यों: गिरावट में लार्ज-कैप और डिफेंसिव स्टॉक्स कम अस्थिर होते हैं। उदाहरण के लिए, 4 अप्रैल को जब क्ळ और फाइनेंशियल सेक्टर गिरे, फार्मा इंडेक्स में 2.25% की बढ़त देखी गई।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (रव्ढ) शुरू करें या बढाएं क्या करें: म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स में रव्ढ के जरिए नियमित निवेश करें, खासकर अब जब बाजार नीचे है।क्यों: गिरावट में निवेश करने से एवरेज कॉस्ट कम रहती है, और बाजार के ठीक होने पर बेहतर रिटर्न मिलता है। मिसाल के तौर पर, 2008 की मंदी के बाद निवेशकों को अगले 5 साल (2009-2013) में लॉर्ज कैप फंड्स की रव्ढ 12% से 15% का रिटर्न मिला।

एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए बढ़ी, पर महंगे नहीं होंगे पेट्रोल-डीजल:आदेश के आधे घंटे बाद केंद्र की सफाई- यह खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी

केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दी है। हालांकि, आधे घंटे बाद ये भी साफ किया कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी।अभी सरकार पेट्रोल पर 19.90 रुपए लीटर और डीजल पर 15.80 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इस बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल पर 21.90 रुपए लीटर और डीजल पर 17.80 रुपए लीटर ड्यूटी लगेगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ड्यूटी को कच्चे तेल की घटी कीमतों से एडजस्ट किया जाएगा। अगर आगे भी कच्चे तेल के दाम घटे रहे तो

पेट्रोल-डीजल के दामों में गिरावट आ सकती है।

पेट्रोलियम मार्केट एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा ने बताया, 'जो एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई गई है ये तेल कंपनियों को अपनी कमाई में से देनी होगी। कंपनियां इसे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करके आम लोगों से नहीं वसूलेगी।'जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया। इसी तरह अक्टूबर 2014 तक डीजल की कीमत भी सरकार निर्धारित करती थी। 19 अक्टूबर 2014 से सरकार ने ये काम भी ऑयल कंपनियों को सौंप दिया। अभी ऑयल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत, एक्सचेंज रेट, टैक्स, पेट्रोल-डीजल के ट्रांसपोर्टेशन का खर्च और बाकी कई चीजों को ध्यान में रखते हुए रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत निर्धारित करती हैं।सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी ऐसे समय में बढ़ाई है जब क्रूड ऑयल 4 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। ब्रेंट क्रूड पिछले हफ्ते 12% टूटा था। वहीं सोमवार को भी ब्रेंट क्रूड 4% टूटकर 64 डॉलर से नीचे आ गया है। ऐसे में एक्सपर्ट्स का मानना था कि आने वाले दिनों में पेट्रोल- डीजल के दामों में गिरावट आ सकती है।

चिकमंगलूर के निकट कुरुबराहल्ली में राज्य स्तरीय दौड़ के दौरान प्रतिभागी बैलगाड़ी पर सवार होते हुए।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

मुख्यमंत्री श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

चित्रकूट धार्मिक स्थल ही नहीं, सनातन संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का है जीवंत केंद्र : सीएम यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत केंद्र है। यह परमधाम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली है, जहां भगवान श्रीराम, माता जानकी और भैया लखन के साथ सदा सर्वदा निवास करते हैं। रामनवमीं के दिन मैं तपोभूमि चित्रकूट में आकर धन्य हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम में दीपदान किया। उन्होंने मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना भी की।

कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदाकिनी के तट पर भरत घाट में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज का दिन सौभाग्यशाली है। आज पवित्र नौवीं तिथि है और कामतानाथ जी की नगरी चित्रकूट अपना गौरव दिवस मना रही है। चित्रकूट के घाटों पर असंख्य दीपदान की अलौकिक छटा दिख रही है। भरत घाट, कामदगिरि पर्वत, कामतानाथ स्वामी मंदिर के साथ चित्रकूट के सभी मंदिरों और घर-घर एवं गली, मोहल्लों, रास्तों में दीपमालाओं की अनुपम छटा देखते ही बन रही है। उन्होंने नगर वासियों को रामनवमीं एवं चित्रकूट गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में सदुरु सेवा ट्रस्ट, दीनदयाल शोध संस्थान के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए नाना जी के संकल्पों को पूरा किए जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 19 धार्मिक स्थलों में एक अप्रैल से शराबबंदी लागू कर दी गई है, जिससे हमारे देव स्थानों में विकृतियां न पनपें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर है। सर्वसम्मति से जो भी निर्णय हो रहे हैं उसे पूरा देश स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के लिए संसद में चर्चा व विचार-विमर्श के बाद वक्फ संशोधन विधेयक को स्वीकृति मिली है जो हमारे लोकतंत्र की खूबी को दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासी त्यौहार में शुभ संकल्प लें और प्रदेश के विकास के लिए समवेत हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट के गौरव दिवस पर कलाकारों का सम्मान किया। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंग वस्त्रम पहनाकर स्वागत किया गया। सांसद सतना श्री गणेश सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह परम सौभाग्य है कि चित्रकूट की पावन धरा में श्रीराम के प्राकट्य पर्व और चित्रकूट गौरव दिवस के आयोजन में मुख्यमंत्री जी का आगमन हुआ है।

11 लाख दीपों से धर्मनगरी जगमगा उठी

गौरव दिवस पर मां मंदाकिनी के भरत घाट सहित चित्रकूट में 11 लाख दीपों से धर्मनगरी जगमगा उठी। इस अवसर पर रंगोली बनाकर लोगों ने अपने उत्साह का परिचय दिया। चित्रकूट गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विदेशी पर्यटकों ने भी उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में नगरीय विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, डीआरआई के संगठन सचिव श्री अभय महाजन, पद्मश्री से सम्मानित श्री बीके जैन, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, प्रबल श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में शहरवासी, श्रद्धालु व आमजन उपस्थित रहे।

चित्रकूट के गौरव दिवस पर पहुंची दो महिला रशियन पर्यटक

श्रीराम प्राकट्य पर्व और चित्रकूट के गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दो महिला रशियन पर्यटक नेली और नताल्या भी पहुंची। उन्होंने चित्रकूट की धर्मनगरी में आयोजित कार्यक्रम को भव्य और उत्साहजनक बताया। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की धर्मनगरी में रामनवमीं के दिन यह आना सौभाग्यशाली रहा।

भगवान कामतानाथ के किये दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट में भगवान कामतानाथ के प्राचीन मुखारबिंद के दर्शन कर आरती की। उन्होंने भगवान कामतानाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। इस अवसर पर नगरीय विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सांसद श्री गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार, डीआरई के संगठन सचिव श्री अभय महाजन सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से मिलकर छात्रा मनोरमा गुप्ता हुई अभिभूत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव चित्रकूट में कामतानाथ भगवान के प्राचीन मुखारविंद के दर्शन करने के बाद पूजन सामग्री दुकान में छात्रा मनोरमा से आत्मीयता से मिले। उनसे मिलकर मनोरमा खुशी से अभिभूत हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मनोरमा से उसकी पढ़ाई के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह स्कूल जाती है और खाली समय में पिताजी की दुकान में उनका हाथ बटाती हैं। मुख्यमंत्री ने मनोरमा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शॉट न्यूज

अब कूनो फील्ड स्टाफ पर होगी कार्रवाई

भोपाल। कूनो आगरा रेंज की सीमा के पास मानव बस्ती के करीब कृषि क्षेत्र में घूम रहे चीता ज्वाला और उसके 4 शावक के नजदीक जाकर पानी पिलाने और उसका वीडियो वायरल करने पर फील्ड स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गयी कि सामान्य तौर पर निगरानी टीम को निर्देश दिये गये हैं कि जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो तो चीता को जंगल की ओर वापस मोड़ने एवं लुभाने के प्रयास किये जायें, जिससे मानव-चीता संघर्ष की स्थिति न बने। साथ ही जब भी चीता कृषि क्षेत्र में या मानव बस्ती के करीब जाता है, ऐसी स्थिति में संबंधित रेंज से अतिरिक्त स्टाफ बुलाया जाता है। इस प्रकरण में भी आगरा रेंज से अतिरिक्त फील्ड स्टाफ बुलाया गया था। वन विभाग की ड्यूटी के लिये आगरा रेंज के कूनो डब्ल्यूएलडी में रखे गये वाहन चालक ने ज्वाला और उसके 4 शावकों को स्टील के कटोरे में पानी पिलाया, जबकि ऐसी स्थिति में दूर रहने के स्पष्ट निर्देश हैं और निगरानी दल को चीतों को नजदीक से संभालने का प्रशिक्षण भी दिया गया है।

ड्रग फैक्ट्री सरगना शोएब लाला 6 महीने बाद भी फरार

भोपाल। भोपाल के बगरोदा में 6 महीने पहले दिल्ली एनसीबी ने जिस ड्रग फैक्ट्री में छापा मारा और 1834 करोड़ का ड्रग पकड़ा वहां कुख्यात ड्रग तस्कर शोएब लाला स्वयं माल लेने आया करता था। 20-20 किलो ड्रग बोरियों में भरकर पैक किया जाता फिर बॉक्स में रख दिया जाता था। माल कीमती होने के चलते शोएब किसी पर भरोसा नहीं करता था। वह स्वयं साथी हरीश आंजना के साथ ट्रक और कार लेकर डिलीवरी लेने आता था। माल कहां और किसी खपाया जाता था उसके अलावा किसी को नहीं पता होता था। आपस में संपर्क रखने के लिए केवल वॉट्सऐप कॉल का इस्तेमाल करता था। हर बार नए नंबर से कॉल करता था। जिन सिम का इस्तेमाल वह करता था, सभी फर्जी होती थीं। एमडी तैयार करने वाले सान्याल बाने को भी उसने एक सिम दे रखी थी। यह सिम भी फर्जी दस्तावेजों पर उठाई गई थी। सान्याल को ड्रग तैयार करने के एवज में शोएब दो लाख रुपए महीने की सैलरी देता था। लेकिन छापे के 6 महीने बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। आरोपी कुख्यात ड्रग तस्कर शोएब लाला पुलिस के पकड़ से बाहर है।

महिला अफसर के लिए एक लाख रिश्वत लेते पकड़ाया असिस्टेंट

राजगढ़ में मछली पालन के ठेकेदार से की थी डिमांड, मोबाइल बंद कर भागी अफसर

संवाददाता ● भोपाल

राजगढ़ में लोकायुक्त ने मत्स्य महासंघ की जिलाधिकारी के असिस्टेंट को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। यह रकम कथित तौर पर जिलाधिकारी सुरेखा सराफ के लिए ली जा रही थी। सूचना मिलते ही अफसर ऑफिस और घर से फरार हो गईं। उनके मोबाइल नंबर भी बंद है। मामला कल का है। लोकायुक्त ने जिलाधिकारी सुरेखा और उनके अस्थायी कर्मचारी मुबारिक गौरी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस और लोकायुक्त की टीमें उनकी तलाश में जुटी हैं।

7 साल के लिए मिला था मछली पालन का ठेका - लोकायुक्त निरीक्षक रजनी तिवारी ने बताया कि इंदौर निवासी और वार्ड 58 के पार्षद अनवर कादरी ने अपने दो साझेदारों के साथ कुंडालिया डैम में सात साल के लिए मछली पालन का ठेका लिया है। नवंबर 2024 से काम शुरू हुआ, लेकिन सुरेखा सराफ ने काम में लगातार बाधा डालनी शुरू कर दी। पहले तीन लाख रुपए प्रति माह की मांग की गई, फिर एक लाख रुपए माह पर बात तय हुई, लेकिन बीते चार महीने की कुल चार लाख की राशि मांगी जा रही थी।

हर महीने तीन लाख रुपए देने का था दबाव

लोकायुक्त निरीक्षक रजनी तिवारी ने बताया कि सुरेखा सराफ के आउटसोर्स कर्मचारी मुबारिक गौरी को जीरापुर के छापीहेड़ा नाके पर एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। फरियादी अनवर कादरी ने शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि मत्स्य महासंघ की जिलाधिकारी उन पर हर महीने तीन लाख रुपए देने का दबाव बना रही थी, ताकि उनका मछली पालन का काम बिना रुकावट जारी रह सके। लोकायुक्त ने सुरेखा सराफ और मुबारिक गौरी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7 और 12 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। टीम अब इस मामले की तह तक जाने के लिए और सबूत जुटा रही है। साथ ही सुरेखा सराफ की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

भोपाल में ट्यूबवेल खनन पर रोक

तेज गर्मी-गिरते भूजल स्तर को देखते हुए फैसला

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में गर्मी और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए ट्यूबवेल खनन पर रोक लगा दी गई है। अब कोई भी व्यक्ति 30 जून तक भोपाल जिले में ट्यूबवेल नहीं खुदवा सकेगा। इस संबंध में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार को आदेश जारी किया। मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम की धारा 6(1) के तहत पूरे जिले में निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। सोमवार को हुई समयावधि (टीएल) बैठक में सभी एसडीएम ने भूजल स्तर के तेजी से गिरने और भविष्य में पेयजल संकट की आशंका जताई थी। इसके बाद कलेक्टर ने यह निर्णय लिया। आदेश के मुताबिक, एसडीएम की अनुमति के बिना जिले में बोरिंग मशीनों का प्रवेश और खनन दोनों प्रतिबंधित रहेगा। केवल सार्वजनिक सड़कों से गुजरने वाली मशीनों को छूट दी गई है।

अवैध बोरिंग पर FIR, 2 साल तक की सजा भी

अगर कोई मशीन अवैध रूप से जिले में प्रवेश करती है या नलकूप खनन करती है, तो संबंधित एसडीएम और पुलिस अधिकारी मशीन को जब्त कर एफआईआर दर्ज करवा सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर दो हजार रुपए जुर्माना, दो साल की सजा या दोनों हो सकते हैं। यह आदेश केवल निजी नलकूपों पर लागू होगा। शासकीय योजनाओं के तहत किए जा रहे नलकूप खनन कार्यों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। पीएचई द्वारा संचालित कार्यों को अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। भोपाल जिले में कृषि और व्यवसायिक कार्यों के लिए भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है, जिससे जल स्तर तेजी से गिरा है। आने वाले ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल संकट को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अगर निजी नलकूप खनन पर रोक नहीं लगाई जाती, तो जिले में गंभीर जल संकट की स्थिति बन सकती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण

राष्ट्रीय स्तर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आज से भोपाल में होगा

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण का आयोजन विज्ञान भवन भोपाल मे किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में तकनीकि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकि का प्रचलन बढ़ाना है| इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मॉडलों जैसे (SVM, Random Forest, Neural Network, CNN, XGB) तथा डीप लर्निंग तकनीकों पर, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल एवं महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जायेगा |

प्रशिक्षण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को रिमोट सेंसिंग तकनीकि का उपयोग करके सटीक फसल उपज अनुमान के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका लक्ष्य फसल बीमा दावा निपटान प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना है, जिससे प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकि का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा सके। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है। मध्यप्रदेश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का क्रियान्वयन वर्ष 2022 से किया जा रहा है। इस कार्य मे मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद साथ राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, कृषि विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं एमपीएसईडीसी भी सहयोग कर रहे है।

मध्यप्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का फसल बीमा मे उपयोग करने बाला देश मे पहला राज्य हैं। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग फसल बीमा के अंतर्गत तकनीकी पार्टनर के तौर पर कृषि विभाग, राजस्थान सरकार के लिए भी किया जा रहा हैं। प्रशिक्षण के शुभारम्भ कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महनिदेशक डॉ अनिल कोठारी, संचालक कृषि विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं कृषि मंत्रालय भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

नुसरत ने 'छोरी 2' के लिए डबल मेहनत

डायरेक्टर ने कहा- फिल्म में समाज में हो रही बुरी प्रथाओं पर

नुसरत भरुचा और सोहा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म छोरी- 2 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 11 अप्रैल को ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म छोरी की सीक्वल है। काजोल और नुसरत के साथ अलग-अलग वुमन सेंट्रिक फिल्म ला रहे हैं, क्या कहेंगे? फिल्म 'छोरी' में नुसरत थीं और हम वहीं कहानी आगे ले जा रहे हैं, इसलिए 'छोरी 2' में भी नुसरत ही हैं। हां, हमने इस बार सोहा अली खान को जरूर शामिल किया है। यहां हमने उन्हें दासी के रोल में कास्ट किया है। वहीं, काजोल के साथ फिल्म 'मां' आ रही है। उसकी स्टोरी अजय देवगन सर के पास ऑलरेडी थी। अजय सर ने इसके लिए मुझे चुना यह मेरे लिए बड़ी बात है। मैं शुक्रगुजार हूं कि इतने बड़े और बेहतरीन कॉन्सेप्ट के साथ फिल्म मां को डायरेक्ट करने का मौका मुझे मिला। नुसरत से 4-5 गुना ज्यादा मेहनत करवाई गई है। छोरी के समय में नुसरत नई-नई थी हॉरर में तो उसको चीजें समझने में थोड़ी-सी दिक्कत हो रही थी। इस बार भी उसे शुरुआत में दिक्कत हुई, फिर उसने अपने आप से ही सब समझ लिया। हालांकि,, वह बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, बहुत अच्छा काम पहली में भी किया है। इस बार जब वह सेट पर आईं तो उन्हें इतना तो पता था कि विशाल की दुनिया है तो ये तो ऐसी ही होगी। इसमें कोई कंफर्ट नहीं मिलने वाला है। तो वह पहले ही मेंटली तैयार होकर आई थीं और उन्होंने भी अपने एक्स्ट्रा एफर्ट दिए। उनका काम बेहतरीन और बहुत ही पावरफुल है वो दर्शकों को स्क्रीन पर दिखेगा। सोहा का जो किरदार है वह हमारा क्रिएट किया हुआ है। सोहा को लेते समय हम सोच रहे थे कि उन्हें ग्रामीण स्पेस में कैसे लाया जाए। कैसे वह देसी भाषा बोले और वैली दिखें। सोहा खुद भी कन्वेंस नहीं थी लेकिन जब उन्होंने पूरी स्क्रिप्ट पढ़ी, नरेशन लिया, फिर कॉस्टयूम के ट्रायल हुए तो वह खुद भी कन्वेंस हो गई। उन्हें भी लगा कि ये उनके लिए अच्छा किरदार है। कुछ नया है, चैलेंजिंग है। इसमें उनके तीन प्रोस्थेटिक अवतार हैं और तीनों को उन्होंने बहुत अच्छे से निभाया है। उन्होंने बहुत जबरदस्त काम किया है। पिछली बार की तुलना में इस बार कहानी और बड़ी है। हमने इसे काफी बड़े स्केल पर शूट किया है। हम बड़ी दुनिया बनाना चाह रहे थे तो सेट भी एक खास तरीके से बना रहे थे। इस बार बहुत सकरे-सकरे सेट्स हैं। कई टर्नल्स भी हैं। ऐसे में शूट करना काफी टिपिकल रहा। टेक्निकल टीम हो या एक्टर्स हो सबके लिए ही चैलेंजिंग था कि इतनी छोटी-छोटी जगहों पर काम कैसे करें। फाइनली, हम एक बहुत ही कॉम्पैक्ट बजट में एक अच्छी फिल्म बना पाए हैं। हमने कुछ नया ऑफर करने की कोशिश है। हमारी इच्छा यही है कि हॉरर के साथ एंटरटेनमेंट भी दें। लोगों को डराते-डराते एक खास बात कह जाएं। हमारे समाज में जो कुछ गलत चीजें चल रही हैं, बुरी प्रथाएं हैं जो नहीं होनी चाहिए। उस पर संदेश दें।

अभिनेत्री स्वाति शाह, ईशा पाठक और सिद्धि शर्मा ने साझा की श्रीराम के प्रति अपनी आस्था और जीवन से जुड़ी प्रेरणाएं

राम नवमी सिर्फ़ एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, मर्यादा और आदर्शों का प्रतीक है। यह दिन न केवल भगवान श्रीराम के जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके जीवन से मिलने वाली सीखों को याद करने का अवसर भी है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो की लोकप्रिय अभिनेत्री स्वाति शाह, ईशा पाठक और सिद्धि शर्मा ने इस पावन अवसर पर अपने अनुभव और विचार साझा किए।

'रिश्तों से बंधी गौरी' शो में जगदंबा देवी की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री स्वाति शाह बचपन से ही राम नवमी को विशेष महत्व देती आई हैं। उन्होंने कहा, 'इस दिन व्रत रखना हमारी पारिवारिक परंपरा है और मैं आज भी इसे पूरी श्रद्धा से निभाती हूँ। मंदिर जाकर दर्शन करना मेरे लिए आवश्यक है। काम की व्यस्तता के बावजूद मैं अपनी परंपराओं का पालन करने का पूरा प्रयास करती हूँ। राम जी से मैंने सबसे महत्वपूर्ण जो सीखा है वह है धैर्य और सहनशीलता। जीवन में कितनी भी कठिनाइयाँ आएं, हार नहीं माननी चाहिए। हमें अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाना चाहिए।'

परिवार और माता-पिता के सम्मान की बात करते हुए उन्होंने जोड़ा, 'आज के समय में लोग अपने काम में इतने व्यस्त हैं कि माता-पिता को समय नहीं दे पाते। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने अपना जीवन हमारे लिए समर्पित किया है। राम जी की तरह हमें भी अपने माता-पिता का सम्मान और देखभाल करनी चाहिए।' 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो में गौरी के किरदार से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली ईशा पाठक ने राम नवमी को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा,'मैं ब्राह्मण परिवार से हूँ, इसलिए राम नवमी हमारे घर में बड़ी श्रद्धा और नियमों के साथ मनाई जाती है। उस दिन व्रत रखती हूँ और बिना पूजा किए कुछ नहीं खाती। राम जी की मर्यादा, संयम और शांति की भावना मुझे बहुत प्रेरित करती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'आज की पीढ़ी को अगर कोई असली हीरो चाहिए तो वो श्रीराम हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपने माता-पिता और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। लेकिन मम्मी-पापा का अनुभव हमें गलत राहों से बचा सकता है। मैं चाहती हूँ कि हर कोई अपने घर के संस्कारों को समझे, बड़ों का सम्मान करे और संयमित जीवन जीने की कोशिश करे।' 'इश्क़ जबरिया' शो में गुल्की का किरदार निभा रहीं सिद्धि शर्मा ने राम नवमी पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, "राम नवमी हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रही है। मुझे आज भी याद है कि हम किस तरह भजन सुनते थे, मंदिर सजाते थे और पूरे घर में शांति और भक्ति का माहौल होता था। हालांकि इस बार मैं 'इश्क़ जबरिया' शो की शूटिंग में व्यस्त हूं, फिर भी इस दिन का आत्मा से जुड़ना मेरे लिए आवश्यक है। इस पर्व पर एक पल निकालकर रुकना, सोचना और प्रभु श्रीराम की याद में मन को शांत करना मेरी प्राथमिकता होती है। यह दिन हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और दया, आस्था और आभार के साथ आगे बढ़ने की शक्ति देता है।' 'रिश्तों से बंधी गौरी' गौरी (ईशा पाठक द्वारा अभिनीत) की विश्वास, सहनशीलता और अटूट प्रेम की कहानी है। यह शो दिखाता है कि कैसे वह माता पार्वती की भक्ति से शक्ति पाकर जीवन की कठिनाइयों का सामना करती है। 'इश्क़ जबरिया' में सिद्धि शर्मा द्वारा निभाया गया किरदार गुल्की, अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष करती है और अपने आत्मसम्मान को बनाए रखते हुए आगे बढ़ती है। देखिए 'रिश्तों से बंधी गौरी' हर रोज़ रात 8:30 बजे और इश्क़ जबरिया', हर रात 10 बजे,सिर्फ़ सन नियो पर।

सेकेंडों में श्रीलीला को खींच ले गई भीड़, शूटिंग के दौरान का डरावना वीडियो हुआ वायरल

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन और साउथ की स्टार एक्ट्रेस श्रीलीला अभी अपकमिंग फिल्म 'आशिकी-3' का प्रमोशन करने में जुटे हैं। फिल्म के पिछले दो पार्ट ब्लॉकबस्टर हिट रहे हैं और अब इस तीसरी किश्त को लेकर फैंस सुपर एक्साइटेड हैं। कार्तिक और श्रीलीला फिल्म के प्रमोशन के लिए कई जगहों पर विजिट कर रहे हैं और शूटिंग में पूरी जान झोंक रहे हैं। लेकिन हाल ही में जब वह फिल्म की शूटिंग के लिए एक जगह पहुंचे थे तो वहां कुछ ऐसा हुआ कि श्रीलीला की सांसें अटक गईं।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल है। दरअसल हुआ यह कि कार्तिक आर्यन और श्रीलीला भीड़ के बीच से होकर गुजर रहे थे। कार्तिक आर्यन आगे चल रहे थे और श्रीलीला उनके पीछे-पीछे थीं। लेकिन कार्तिक आर्यन का इस बात पर ध्यान नहीं गया कि उनके ठीक पीछे चल रहीं श्रीलीला को अचानक भीड़ ने दबोच कर अपनी ओर खींच लिया। लेकिन समय रहते सिक्योरिटी टीम ने मामला संभाला और श्रीलीला को भीड़ से छुड़ाकर वापस लाए। वीडियो पर जहां कई लोग इस तरह के फैंस को कोस रहे हैं तो वहीं कई इस पर हंस रहे हैं। श्रीलीला हालांकि इस घटना के बाद सहम गई थीं लेकिन वीडियो में उन्हें अपने फैंस के लिए मुस्कुराते देखा जा सकता है। कार्तिक आर्यन जब तक पीछे पलटे तब तक मामला काबू में लाया जा चुका था, और उन्हें इसका जरा भी अंदाजा नहीं हुआ कि आखिर हुआ क्या है। वीडियो किस जगह का है और यह घटना किन हालातों में हुई यह अभी तक साफ नहीं है। वीडियो वायरल होने के बाद अब साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस के फैंस सोशल मीडिया पर गुस्सा निकाल रहे हैं। wएक फॉलोअर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'इस तरह स्टार्स का बर्ताव रुकना चाहिए। यह बिलकुल भी ठीक नहीं है।' वहीं एक दूसरे फॉलोअर ने लिखा, 'यह गंवारों वाली हरकत है। बिलकुल भी ठीक नहीं है। यह किसी के लिए भी कितना असुरक्षित है।' एक शख्स ने लिखा, 'कैसे भीड़ एक झटके में श्रीलीला को खींचकर ले गई। यह बहुत डरावना है।' एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'बाउंसर्स को उसकी सुरक्षा पर और काम करने की जरूरत है। कोई साधारण लड़की भी ऐसे हालत में भीड़ के बीच से नहीं गुजरेगी।'

मनारा चोपड़ा ने छोड़ा 'लाफ्टर शेफ'

खतरों के खिलाड़ी 15' के लिए तैयारी में जुटीं, निया शर्मा लेंगी उनकी जगह

बिग बॉस 17' से फेमस हुईं मनारा चोपड़ा ने अचानक 'लाफ्टर शेफ' शो को छोड़ दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने यह फैसला 'खतरों के खिलाड़ी 15' में हिस्सा लेने के लिए लिया है। इस समय मनारा फिजिकल ट्रेनिंग, स्विमिंग प्रैक्टिस और बेसिक स्टंट वर्कशॉप्स में जुटी हैं ताकि स्टंट-बेस्ड इस रियलिटी शो के लिए खुद को तैयार कर सकें। अब 'लाफ्टर शेफ' में मनारा की जगह निया शर्मा नजर आएंगी। इससे पहले, पिछले महीने 'लाफ्टर शेफ' में ही अब्दू रोजिक की जगह करण कुंद्रा को शामिल किया गया था। करण 'लाफ्टर शेफ' के पहले सीजन में भी नजर आ चुके हैं और शो से उनकी पुरानी पहचान रही है। मनारा ने 'लाफ्टर शेफ' छोड़ दिया है ताकि वह 'खतरों के खिलाड़ी' में शामिल हो सकें। इसके बाद अब इस एडवेंचर रियलिटी शो की बाकी टेंटेटिव कंटेस्टेंट लिस्ट भी सामने आ गई है। इस लिस्ट में कई दिलचस्प नाम शामिल हैं। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किया जाने वाला 'खतरों के खिलाड़ी 15' जुलाई के अंत तक शुरू होने जा रहा है। सिद्धार्थ माल्या बिजनेसमैन विजय माल्या के बेटे सिद्धार्थ मॉडल, एक्टर और राइटर हैं। उन्होंने कुछ अंग्रेजी फिल्मों और थियेटर प्रोजेक्ट्स में भी काम किया है। 2021 में आई उनकी किताब 'इफ आई एम ऑनेस्ट' में उन्होंने मेंटल हेल्थ को लेकर खुलकर बात की थी। मल्लिका शेरावत बोल्ड इमेज और इंटरनेशनल अपील के लिए जानी जाने वाली मल्लिका ने हाल ही में वेब सीरीज 'नकाब' और 'बू सबकी फटेगी' में काम किया था। एक लंबे गैप के बाद वह रियलिटी शोज में वापसी कर सकती हैं। खुशबू पाटनी (दिशा पाटनी की बहन) खुशबू फिटनेस ट्रेनर हैं और सोशल मीडिया पर उनकी फॉलोइंग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने हाल ही में दिशा पाटनी के साथ एक फिटनेस वर्कशॉप में हिस्सा लिया था। उनका यह पहला टीवी शो हो सकता है। अपूर्वा (रिबेल किड) सोशल मीडिया पर वायरल रैपर और हिपहॉप डांसर, जिनके रैप 'नाक्का', 'भसड़' और 'जिंदगी हसीन' यूट्यूब पर खासे पॉपुलर हैं। अपनी रॉ पर्सनैलिटी और बिंदास एटिट्यूड की वजह से वह यूथ के बीच चर्चित हैं।

तलाक के बाद धनश्री की रियलिटी शोज में एंट्री!

सोशल मीडिया स्टार और डांसर धनश्री वर्मा इन दिनों रियलिटी शोज की दुनिया में एंट्री को लेकर चर्चा में हैं। उन्हें प्रोडक्शन हाउसेज से लगातार ऑफर्स मिल रहे हैं। कुछ फॉर्मेट्स पर बातचीत भी चल रही है, लेकिन अब तक उन्होंने किसी शो के लिए हामी नहीं भरी है। सूत्रों के मुताबिक, धनश्री को एक-दो बड़े रियलिटी शोज के लिए अप्रोच किया गया है। 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे फिजिकल टास्क बेस्ड शो को लेकर वह पॉजिटिव हैं। लेकिन 'बिग बॉस' को लेकर वह अब भी कन्फ्यूजन में हैं। शो की टीम चाहती है कि अगर वह 'बिग बॉस' में आती हैं, तो अपनी पर्सनल लाइफ, खासकर युजवेंद्र चहल से शादी और तलाक को लेकर खुलकर बात करें। धनश्री की पर्सनल लाइफ पहले से ही चर्चा में रही है। उन्होंने साल 2020 में टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल से शादी की थी। सोशल मीडिया पर दोनों की जोड़ी काफी फेमस रही। लेकिन कुछ समय पहले दोनों का तलाक हो गया। धनश्री के टीम मेंबर्स का मानना है कि अगर यह शर्त रखी जा रही है, तो उनकी फीस बढ़नी चाहिए। हालांकि, धनश्री फिलहाल किसी इमोशनल या कंट्रोवर्शियल टॉपिक को कैश करने के मूड में नहीं हैं। वह चाहती हैं कि अगर कोई शो करें, तो अपनी पहचान के दम पर करें, ना कि किसी पुराने रिश्ते के नाम पर। अब तक धनश्री ने किसी भी शो को लेकर फाइनल कमिटमेंट नहीं किया है। एक तरफ उन्हें यह मौका अपने करियर के लिए फायदेमंद लग रहा है, दूसरी तरफ वह सोच रही हैं कि क्या अपनी पर्सनल लाइफ को कैमरे के सामने लाना सही रहेगा? धनश्री और चहल का तलाक 20 मार्च 2025 को फाइनल हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तलाक सेटलमेंट के तहत चहल ने उन्हें 4.75 करोड़ रुपये एलिमनी देने की बात मानी है। इसमें से 2.37 करोड़ रुपये की पहली किस्त धनश्री को मिल चुकी है। 60 करोड़ की डिमांड की जो अफवाहें थीं, उन्हें धनश्री के परिवार ने गलत बताया है। इस डील और एलिमनी को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। खासकर वर्किंग वुमन को मिलने वाली एलिमनी को लेकर लोग अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। धनश्री इससे पहले साल 2023 में 'झलक दिखला जा सीजन 11' में हिस्सा ले चुकी हैं। उस शो में उनके एक्स-हसबैंड युजवेंद्र चहल भी पहुंचे थे और उन्होंने स्टेज पर आकर धनश्री को सपोर्ट किया था।

हॉलीवुड एक्टर रसेल ब्रांड पर लगे रेप के आरोप

ब्रिटेन के एक्टर और कॉमेडियन रसेल ब्रांड पर हाल ही में रेप और सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप में शिकायत दर्ज हुई है। उन्हें इस मामले में 2 मई को कोर्ट के सामने पेश होना है। दरअसल, ये मामला साल 2023 में सामने आया था, हालांकि अब जांच के बाद शिकायत दर्ज की गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में लंदन मेट्रोपोलिटन के अनुसार बताया गया है कि 50 साल के एक्टर रसेल ब्रांड के खिलाफ रेप का एक केस, हमले का एक केस, ओरल रेप का एक केस और यौन हमले के 2 केस दर्ज किए गए हैं। ये घटनाएं 1999 से 2005 के बीच 4 अलग-अलग महिलाओं के साथ हुई हैं। आरोप हैं कि रसेल ने सदर्न इंग्लैंड के बोरेमाउथ इलाके में 1999 में महिला का रेप किया था। वहीं लंदन में 2001 में ओरल रेप और असॉल्ट किया, 2004 में महिला को सेक्शुअल असॉल्ट किया और 2004-05 तक एक महिला के साथ लंदन में शारीरिक शोषण किया। दरअसल, सितंबर 2023 ब्रिटिश पुलिस ने तब इस मामले की जांच शुरू की, जब द संडे टाइम्स, द टाइम्स ऑफ लंदन और टीवी नेटवर्क चैनल्स 4 ने एक जॉइंट इन्वेस्टिगेशन पब्लिश की, जिसमें महिलाओं ने बिना पहचान बताए रसेल ब्रांड पर रेप और शारीरिक शोषण के आरोप लगाए थे। ब्रिटिश पुलिस ने 18 महीने तक रसेल ब्रांड के पिछले रिकॉर्ड्स और बिहेवियर की पड़ताल की थी, जिसके बाद शुक्रवार को सबूतों और जांच के आधार पर शिकायत दर्ज हुई है। आरोप लगने के बाद रलेस ब्रांड ने अपने ऑफिशियल X प्लेटफॉर्म से कई वीडियोज शेयर कर सफाई दी है। उन्होंने एक वीडियो में कहा है, सालों पहले मैं एक ड्रग एडिक्ट, सेक्स एडिक्ट हुआ करता था, लेकिन रेपिस्ट नहीं। मैं मूर्ख था, लेकिन मैंने रेप कभी नहीं किया। मैंने कभी भी बिना सहमति से किसी एक्टिविटी में भाग नहीं लिया। आशा है आप मेरी आंखों में ये देख सकें। बताते चलें कि रसेल ब्रांड ने साल 2010 में इंटरनेशनल स्टार कैटी पैरी से शादी की थी। महज 2 सालों में ही दोनों ने तलाक ले लिया था। इसके बाद साल 2017 में रसेल ब्रांड ने राइटर लॉरा ब्रांड से शादी की है।

फिर हुआ नियमों का उल्लंघन, इस बार फंसा 36 साल का यह तेज गेंदबाज, जुमार्ने के साथ मिला एक डिमेरिट अंक

एजेंसी ● हैदराबाद

आईपीएल 2025 में एक बार फिर नियमों का उल्लंघन देखने को मिला है। इस बार गुजरात टाइटंस के 36 साल के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा इसमें फंसे हैं। ईशांत को गुजरात और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच छह अप्रैल को हुए मुकाबले में नियमों का उल्लंघन करते पाया गया। उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगा और एक डिमेरिट अंक भी मिला है।

ईशांत ने भी अपनी गलती स्वीकार कर ली। साथ ही सजा को भी स्वीकार कर लिया है।बीसीसीआई और आईपीएल ने जारी विज्ञप्ति में कहा, 'गुजरात टाइटंस के गेंदबाज ईशांत शर्मा पर रविवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है और साथ ही एक डिमेरिट अंक भी दिया गया है। ईशांत शर्मा ने अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है और मैच रैफरी के लगाए आरोपों और जुमार्ने को स्वीकार कर लिया है।

आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन पर मैच रेफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है।'अनुच्छेद 2.2 खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बीसीसीआई की आचार संहिता का हिस्सा है जो मैच के दौरान क्रिकेट

उपकरण या कपड़ों, ग्राउंड उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। उदाहरण के तौर पर- जैसे कि विकेटों को मारना या मारना और कोई भी कार्य जो जानबूझकर या लापरवाही से (भले ही आकस्मिक हो) की गई हो, जिसके परिणामस्वरूप विज्ञापन बोर्ड, बाउंड्री फेंसिंग, ड्रेसिंग रूम के दरवाजे, शीशे, खिड़कियां और स्टेडियम के अन्य फिक्स्चर और फिटिंग को नुकसान पहुंचाया जाए तो इसे अपराध माना जाएगा।

ईशांत के लिए हैदराबाद के खिलाफ मैच अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने चार ओवर में 53 रन दिए थे, जो कि हैदराबाद के कुल स्कोर का 30 प्रतिशत था। हैदराबाद ने 152 रन बनाए थे। ईशांत को कोई विकेट भी नहीं मिला था। यह इस सीजन नियमों के उल्लंघन का पहला मामला नहीं है। इससे पहले दिग्वेश राठी पर दो बार मैच फीस का 50-50 प्रतिशत जुमार्ना लग चुका है।

इसके अलावा धीमी ओवर गति के लिए मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या, राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान रियान पराग और लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी जुमार्ना लग चुका है। हैदराबाद के खिलाफ जीत के बाद गुजरात की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच चुकी है। हैदराबाद की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है।

केकेआर-लखनऊ के बीच मैच में नरेन और दिग्वेश के बीच होगा मुकाबला

पंत पर होगी नजरें, दोनों टीमों के बीच मुकाबला आज

एजेंसी ● नई दिल्ली

गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मंगलवार को आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जाएगा। आईपीएल में मंगलवार को दो मैच होंगे क्योंकि केकेआर और लखनऊ के बीच रविवार को खेले जाने वाला मुकाबला रिशेड्यूल कराना पड़ा था। इन दोनों टीमों के बीच मैच में सुनील नरेन और दिग्वेश राठी के बीच भी मुकाबला देखने मिलेगा।

नरेन के बड़े प्रशंसक हैं दिग्वेश

दिग्वेश केकेआर के अनुभवी ऑलराउंडर नरेन के बड़े प्रशंसक हैं, लेकिन यह दोनों एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि नरेन और दिग्वेश के बीच मुकाबले में कौन किस पर भारी पड़ता है। केकेआर और लखनऊ ने अब तक मिलाजुला प्रदर्शन किया है और दोनों ही टीमों ही टीम के अब तक दो-दो जीत से चार-चार अंक हैं। केकेआर और लखनऊ ने अपने पिछले मुकाबले जीते थे, इसलिए दोनों टीमें अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश

करेंगे।

वेंकटेश के फॉर्म में लौटने से केकेआर को मिली राहत

कोलकाता ने अपना पिछला मुकाबला इसी मैदान पर खेला था और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की थी। इसलिए इस बात की संभावना कम ही है कि वह अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव करेगी। केकेआर के लिए राहत की बात यह है कि उसके सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर फॉर्म में लौट आए हैं, जबकि रिंकू सिंह और कप्तान अजिंक्य रहाणे ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। युवा अंगकृष रघुवंशी ने भी प्रभावित किया। केकेआर के लिए हालांकि सलामी जोड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्विंटन डिकॉक और सुनील नरेन पिछले सत्र में फिल सॉल्ट की तरह टीम को आक्रामक शुरूआत देने में नाकाम रहे हैं।

पंत का फॉर्म में लौटना जरूरी

लखनऊ के लिए चिंता की बात यह है कि उसके कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला अभी तक नहीं चला है। पंत आईपीएल नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी हैं, लेकिन अब तक उस स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। लखनऊ भी प्लेइंग-11 में किसी तरह का बदलाव करेगी इसकी संभावना कम दिखाई देती है। उसके पास आकाश दीप की जगह प्रिंस यादव को लेने का मौका है, लेकिन आकाश को ईडेन गार्डेंस पर खेलने का काफी अनुभव है, इसलिए टीम उन्हें बाहर रखने का जोखिम शायद ही लेगी।

अभिषेक के फिर फ्लॉप होने पर चिढ़ीं एसअरएच की मालकिन काव्या मारन

एजेंसी ● हैदराबाद

सिर्फ अभिषेक नहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के बाकी खिलाड़ियों के आउट होने पर भी काव्या का रिएक्शन वायरल हो गया है। वह नाखुश दिख रही हैं। गुजरात से हार के बाद सनराइजर्स की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है।आईपीएल 2025 में रविवार को गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दिया। हैदराबाद के बल्लेबाज एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। ट्रेविस हेड से लेकर अभिषेक शर्मा और ईशान किशन तक, नीतीश रेड्डी को छोड़कर कोई बल्लेबाज 25+ रन नहीं बना सका। यह सनराइजर्स की इस सीजन की लगातार चौथी हार रही।

पिछले साल अपने प्रदर्शन से सभी का दिल जीतने वाली एसआरएच टीम की यह हालत देखकर हर कोई हैरान है। खुद टीम की मालकिन भी समझ नहीं पा रही हैं कि क्या हो रहा है। अब एक वीडियो सामने आया है, जिसमें अभिषेक के आउट होने पर वह चिढ़ीं हुई दिख रही हैं और प्रतिक्रिया दे रही हैं।दरअसल, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कागजों पर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को सबसे मजबूत माना जा रहा था। हालांकि, टूर्नामेंट शुरू होने के बाद अलग ही कहानी दिख रही है। टीम का कोई भी बल्लेबाज फॉर्म में नजर नहीं आ रहा है। रविवार को गुजरात के खिलाफ हेड आठ रन, ईशान किश 17 रन, अभिषेक शर्मा 18 रन, अनिकेत वर्मा 18 रन, कामिंदु मेंडिस एक रन बनाकर आउट हुए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन नीतीश रेड्डी ने बनाए। उन्होंने 31 रन की पारी खेली। वहीं, हेनरिक क्लासेन ने 27 रन और कप्तान पैट कमिंस ने नौ गेंद में नाबाद 22 रन बनाए। अभिषेक को सिराज ने राहुल तेवतिया के हाथों कैच कराया। अपनी पारी में उन्होंने चार चौके लगाए।

हालांकि, बड़े शॉट के प्रयास में तेवतिया को कैच थमा बैठे। उनके आउट होने के बाद काव्या मारन चिढ़ीं हुई दिखीं। वह गेंद को लेकर कुछ इशारा करती दिखीं। उनकी प्रतिक्रिया कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सिर्फ अभिषेक नहीं, बाकियों के आउट होने पर भी काव्या का रिएक्शन वायरल हो गया है। वह नाखुश दिख रही हैं।

गुजरात से हार के बाद सनराइजर्स की टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। उसके पांच मैचों के बाद एक जीत और चार हार के साथ दो अंक हैं। सनराइजर्स का नेट रन रेट -1.629 है। दिल्ली की टीम तीन मैचों के बाद छह अंक लेकर शीर्ष पर है, जबकि गुजरात की टीम चार मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ छह अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

पोलार्ड ने बुमराह को गोद में उठाया , आराम से प्लीज...फिर से चोटिल मत कर देना-बुमराह

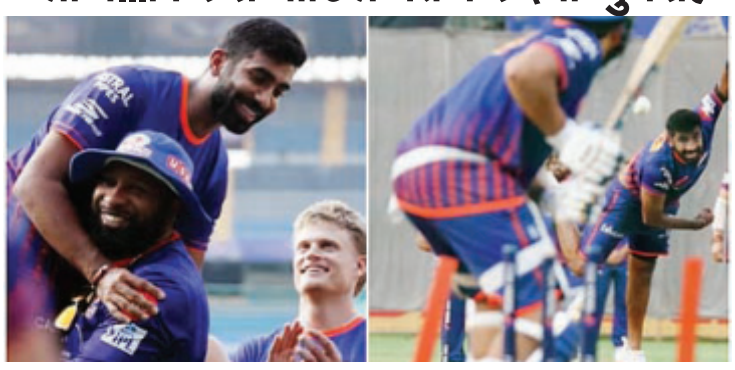

मुंबई। मुंबई इंडियंस की टीम के लिए आईपीएल 2025 अब तक कुछ खास नहीं रहा है। टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही है। एमआई ने अब तक चार में से तीन मैच गंवाए हैं और अंक तालिका में आठवें स्थान पर मौजूद है। हालांकि, सोमवार को उनका सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से अपने घरेलू मैदान पर है और हार्दिक पांड्या की टीम चाहेगी कि चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जबरदस्त वापसी की जाए। मुंबई की टीम में स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी वापसी हो चुकी है और वह आज का मैच खेलते दिखेंगे। हालांकि, प्रैक्टिस सेशन के दौरान एक ऐसी घटना घटी जिसने मुंबई के फैंस को डरा कर रख दिया था। सोशल मीडिया पर इसको लेकर खूब मीम्स भी शेयर हो रहे हैं।

दरअसल, प्रैक्टिस सेशन के दौरान बुमराह का जोरदारा स्वागत किया गया। मुंबई के गेंदबाजी कोच पोलार्ड ने इस दौरान बुमराह को गोद में उठा लिया। इससे फैंस डर गए और वह सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। बुमराह ने प्रैक्टिस सेशन में भी हिस्सा लिया और सभी खिलाड़ियों से मिले-जुले। उन्होंने रोहित शर्मा से बात की। साथ ही कप्तान हार्दिक पांड्या को गले भी लगाया। साथी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के साथ भी वह बातचीत करते दिखे। बुमराह ने यॉर्कर की भी प्रैक्टिस की और आरसीबी को उन्हें हल्के में न लेने की चेतावनी दी। वह मुख्य कोच महेला जयवर्धने के साथ गंभीर चर्चा करते भी नजर आए। मुंबई और बेंगलुरु की टीमें अब तक 33 बार आमने-सामने आ चुकी हैं।

काव्या मारन ने इस गुदड़ी के लाल की बदल दी किस्मत!

एजेंसी ● नई दिल्ली

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम भले ही आईपीएल में इस साल कुछ खास ना कर पाई हो, लेकिन उनके एक खिलाड़ी ने जमकर सुर्खियां बटोरी हैं। जिस खिलाड़ी की बात यहां हो रही है वो और कोई नहीं बल्कि जीशान अंसारी हैं। अंसारी ने अपने डेब्यू मैच से ही हर किसी का दिल जीता था। लेकिन क्या आप जानते हैं जीशान ने यहां तक का सफर बेहद कठिनाइयों के साथ तय किया है।जीशान ने अपने पहले ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फाफ डुप्लेसिस, जेक फ्रेजर मैकगर्क और केएल राहुल जैसे दिग्गजों को आउट कर सबको चौंका दिया। जीशान के पिता दर्जी हैं और उन्होंने बेटे के सपने को पूरा करने के लिए बहुत मेहनत की। जीशान, शेन वॉर्न को अपना आदर्श मानते हैं और मुथैया मुरलीधरन से गेंदबाजी के गुर सीख रहे हैं। एसआरएच ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 40 लाख रुपये में खरीदा था।जीशान को दिल्ली कैपिटल्स की टीम में अचानक शामिल किया गया था। पैट कमिंस के इस फैसले पर कई सवाल उठे। जीशान अंसारी एक अनजान खिलाड़ी थे। लेकिन जीशान ने अपने कप्तान के भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने शानदार गेंदबाजी की और कई बड़े खिलाड़ियों को आउट किया। जीशान ने साउथ अफ्रीका के दिग्गज फाफ डुप्लेसिस को अपना पहला आईपीएल शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क और भारत के सुपरस्टार केएल राहुल को भी आउट किया। इस मैच में जीशान ने 4 ओवर में 42 रन देकर 3 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी प्रभावशाली रही।

सिराज-सुंदर के प्रदर्शन से जीता गुजरातः हैदराबाद को 7 विकेट से हराया; गिल ने कप्तानी पारी खेली

एजेंसी ● हैदराबाद

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल-18 के 20वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हरा दिया। यह हैदराबाद की इस सीजन लगातार चौथी हार है। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 152 रन बनाए। नीतीश कुमार रेड्डी (31 रन) और हेनरिक क्लासन (27 रन) बनाए। गुजरात से सिराज ने 4 विकेट लिए।

153 रन का टारगेट गुजरात ने 16.4 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 61 रन की पारी खेली, जबकि शेरफेन रदरफोर्ड 35 रन पर नाबाद लौटे। वॉशिंगटन सुंदर ने 49 रन बनाए। मोहम्मद शमी को 2 विकेट मिले, जबकि कप्तान पैट कमिंस ने एक विकेट लिया।

टॉस जीतकर पहली बॉलिंग कर रही गुजरात से मोहम्मद सिराज पहला ओवर डालने आए और ओपनर ट्रैविस हेड को आउट किया। इसके बाद उन्होंने अभिषेक शर्मा को कैच कराकर क्कछ में अपना 100वां विकेट लिया। सिराज ने हैदराबाद को पावरप्ले में बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। अपने दूसरे स्पेल में भी उन्होंने 2 विकेट निकाले।साई किशोरः मिडिल ओवर में गेंदबाजी करते हुए साई किशोर ने 2 विकेट लिए और हैदराबाद को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। उन्होंने हेनरिक क्लासन और नीतीश कुमार रेड्डी को सस्ते में पवेलियन भेजा। शुभमन गिलः 153 रन के जवाब में टीम ने साई सुदर्शन का विकेट जल्दी खो दिया। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ 90 रन जोड़े। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद 61 रन बनाए।हैदराबाद के लिए कप्तान पैट कमिंस ने बैटिंग और बॉलिंग दोनों डिपार्टमेंट में परफॉर्म किया। उन्होंने 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 9 बॉल पर 22 रन बनाए साथ ही बॉलिंग में 3 ओवर में 14 रन देकर एक विकेट भी लिया।कमिंस ने पावरप्ले का आखिर ओवर सिमरजीत सिंह को दिया। इस ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने सिमरजीत के ओवर से 20 रन लिए। यहां से गुजरात की बल्लेबाजी को पेस मिला। सुंदर ने पहली दो बॉल पर लगातार दो चौके मारे, फिर चौथी और छठी बॉल पर सिक्स लगा दिया।मोहम्मद सिराज के क्कछ करियर में बेस्ट स्पेल की बदौलत हैदराबाद टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बना सकी। टीम से नीतीश कुमार रेड्डी ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। अभिषेक शर्मा और अनिकेत वर्मा ने 18-18 रन का योगदान दिया।

आईपीएल से दो साल के लिए बैन हुआ खिलाड़ी बना इंग्लैंड का कप्तान, बटलर की जगह संभालेगा

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक को टी20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वह जोस बटलर की जगह टीम का नेतृत्व करेंगे। बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपना पद छोड़ दिया था। इंग्लैंड का प्रदर्शन चैंपियंस ट्रॉफी में काफी खराब रहा था और टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। इंग्लैंड ने शुरूआती दोनों मैच गंवा दिए थे जिससे उसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया था।इंग्लैंड क्रिकेट ने सोमवार को हैरी ब्रूक को टीम की कमान सौंपी। 26 वर्षीय बल्लेबाज अब टी20 और वनडे की कप्तानी करते नजर आएंगे।

उन्हें आईपीएल में दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। उन्होंने आईपीएल के 18वें सत्र की शुरूआत से पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया। यह लगातार दूसरा सत्र है जब ब्रूक ने आईपीएल के लिए खुद को अनुपलब्ध रखा है। बीसीसीआई के पिछले साल टीमों के साथ साझा किए गए दस्तावेज के अनुसार, 'कोई भी (विदेशी) खिलाड़ी जो नीलामी के लिए पंजीकरण करता है और नीलामी में चुने जाने के बाद सत्र की शुरूआत से पहले खुद को अनुपलब्ध घोषित करता है तो उसे दो सत्र के लिए आईपीएल और आईपीएल नीलामी में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।'ब्रूक ने इंग्लैंड के लिए 26 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34.00 की औसत से 816 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 110 रहा है। वहीं, 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 798 रन बनाए। वह 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। सफेद गेंद प्रारूप की कप्तानी मिलने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा- इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीम का कप्तान बनना वाकई सम्मान की बात है। जब मैं बच्चा था और व्हार्फडेल के बर्ले में क्रिकेट खेलता था, तब से मैं यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व करने, इंग्लैंड के लिए खेलने और शायद एक दिन टीम का नेतृत्व करने का सपना देखता था।

'दिल्ली से हूं', विवादित जश्न पर दिग्वेश राठी ने दिया चौंकाने वाला बयान, झेल चुके बीसीसीआई की कार्रवाई

एजेंसी ● कोलकाता

लखनऊ सुपर जाएंट्स के युवा स्पिनर दिग्वेश राठी अपने विवादित जश्न के कारण सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की कार्रवाई झेलनी पड़ी थी। अब उन्होंने इस पर बात की है। मंगलवार को लखनऊ का गत विजेता केकेआर से सामना होगा। यह मैच रविवार को ईडेन गार्डंस में खेला जाना था लेकिन राम नवमी के कारण स्थगित कर दिया गया था।मुकाबले से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत, स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन, केकेआर के दिग्गज ऑलराउंडर सुनील नरेन और दिग्वेश राठी नजर आ रहे हैं।

इस दौरान पंत युवा स्पिनर को नरेन से मिलवाते हैं और कहते हैं कि 'ये सारा दिन

आपके बारे में बोलता है।' तभी पूरन दिग्वेश से सवाल करते हैं कि नरेन ने विकेट लेने के बाद कोई जश्न नहीं मनाया, आपने ऐसा क्यों किया? जवाब में दिग्वेश कहते हैं 'मैं दिल्ली से हूं।' इसके बाद मैदान पर मौजूद सभी खिलाड़ी हंसने लगते हैं।

दिग्वेश ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में प्रियांश आर्या का विकेट लेने के बाद नोटबुक सेलिब्रेशन किया था। इसके कारण उनपर बीसीसीआई ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगाया था और एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा। इसके बाद उन्होंने अगले मैच में मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया, जिसके बाद बोर्ड ने उनपर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुमार्ना लगाया।इस मैच से जुड़ा एक वीडियो और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें ड्वेन ब्रावो को निकोलस पूरन के पैर छूने की कोशिश करते देखा जा रहा है। दरअसल, दोनों खिलाड़ी वेस्टइंडीज से आते हैं और आईपीएल में धमाल मचाने के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। पूरन मौजूदा सत्र में अबतक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने चार पारियों में 201 रन बनाए हैं।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...

चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन नवमी पर देशभर में कन्या पूजन किया गया। भारत में बेटियों को मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। इस दिन कुमकुम का तिलक लगातर बेटियों की पूजा की जाती है।

राज ठाकरे ने मनसे सैनिकों को लिखा पत्र

मराठी आंदोलन तुरंत बंद करो

एजेंसी ● मुंबई

गुड़ी पड़वा के मौके पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) चीफ राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं से मराठी आंदोलन चलाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि मराठी भाषा का सम्मान बहुत जरूरी है और अगर कोई भी मराठी का अपमान करता है तो उसको मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा था कि कार्यकर्ता देखें कि बैंकों में मराठी में काम हो रहा है या नहीं। उन्होंने यहां तक कहा था कि राज्य में अगर कोई मराठी नहीं बोलता है तो उसे थप्पड़ मारने में भी गुरेज ना करें। वहीं एक सप्ताह के अंदर ही उन्होंने इस मराठी आंदोलन को बंद करने की भी अपील कर दी है।

राज ठाकरे ने अपने सैनिकों को पत्र लिखा और कहा कि आपने मराठी भाषा के लिए जो आवाज बुलंद की है उसके लिए बधाई। गुड़ी पड़वा के कार्यक्रम के दौरान मैंने कहा था कि महाराष्ट्र के बैंकों में देखा जाए कि मराठी में काम हो रहा है या नहीं। आप दूसरे दिन महाराष्ट्र के बैंकों में पहुंचे भी और मराठी में काम करने का आग्रह किया। यह अच्छा फैसला था। इससे लोगों में संदेश गया कि मराठी लोगों का अपना स्वाभिमान है। आपने एमएनएस की ताकत का परिचय दिया। उन्होंने कहा, अब इस आंदोलन को रोक देना चाहिए। आपने काफी जागरूकता फैलाई है। अब लोगों को पता चल गया है कि अगर मराठी भाषा का सम्मान नहीं किया गया तो क्या हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, सबसे बड़ी जिम्मेदारी सरकार की है। रिजर्व बैंक के नियमों का पालन करवाना सरकार का काम है। वहीं बीजेपी के एक नेता ने कहा कि बीजेपी नहीं चाहती कि उनका उत्तर भारतीयों को वोटर बेस खराब हो। खास तौर पर बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। पार्टी का मानना है कि अगर छोटी-मोटी घटनाएं भी होती हैं और उत्तर भारतीयों को निशाना बनाया जाता है तो पार्टी के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है।

उन्होंने कहा कि सामान्य सी बात है कि जो जहां रहता है वहां की संस्कृति को अपना लेता है। उन्होंने कहा कि 10 दिन के गणेश उत्सव में भी उत्तर भारतीय बढ़चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वहीं राज ठाकरे के भाषण के बाद पूरे प्रदेश में कई जगहों पर गैर मराठी भाषियों को निशाना बनाया गया। इसके बाद एमएनएस चीफ ने कहा था कि कार्यकर्ता कानून को अपने हाथों में ना लें। वहीं बैंक यूनियन ने देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर चिंता जताई थी। यूनियन ने कहा था कि बैंक कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है ऐसे में वे अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। वहीं सीएमओ के सूत्रों के मुताबिक उद्योगों की तरफ से भी इस व्यवहार को लेकर चिंता जताई गई थी। ऐसे में देवेंद्र फडणवीस को भी लगने लगा था कि अगर यह आंदोलन चलता रहा तो महाराष्ट्र का माहौल ही खराब हो जाएगा। वहीं वैश्विक निवेश पर भी फर्क पड़ेगा।

शॉट न्यूज

श्रीलंका ने 14 भारतीय मछुआरों को किया रिहा

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद श्रीलंका ने 14 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया है। पीएम ने कल श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके से मछुआरों की रिहाई पर बात की थी। मोदी तीन दिवसीय श्रीलंका दौरा पूरा कर भारत लौट आए हैं। इससे पहले उन्होंने आज बौद्ध तीर्थ अनुराधापुरा में माहो ओमनथाई रेल लाइन का उद्घाटन और सिग्नल सिस्टम का शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाई। श्रीलंका के माहो जिले से ओमनथाई जिले के बीच यह रेल लाइन नॉर्दर्न रेलवे लाइन का 128 किमी लंबा हिस्सा है। ये श्रीलंका के कुरुनेगला, अनुराधापुरा और ववुनिया जिलों से होकर गुजरता है। श्रीलंका सरकार ने इस रेलवे लाइन के आधुनिकीकरण और सुधार के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं।

ग्लोबलाइजेशन के अंत का ऐलान करेंगे ब्रिटिश पीएम

सिंगापुर। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने एक लेख में ग्लोबलाइजेशन का दौर खत्म हो जाने की बात कही है। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे देश के नाम संबोधन देंगे, जिसमें वे ग्लोबलाइजेशन के खत्म होने का ऐलान करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्टार्मर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ लगाने के फैसले से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबलाइजेशन अब बहुत से लोगों को कोई फायदा नहीं पहुंचा पा रहा है। स्टार्मर ने स्वीकार किया कि इसके बाद कॉम्पटीशन बढ़ेगा और दुनियाभर में डोमेस्टिक प्रोडक्शन बढ़ाने के प्रयास शुरू होंगे। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दिया था। इसकी दुनियाभर में आलोचना हो रही है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा कि ग्लोबलाइजेशन और फ्री ट्रेड का दौर अब खत्म हो चुका है। अब दुनिया एक नए युग में जा रही है, जो खतरनाक होने वाला है।

उत्तराखंड में 43 ड्राइविंग नियम नहीं मानें तो कटेगा भारी-भरकम चालान

एजेंसी ● देहरादून

चारधाम यात्रा पर उत्तराखंड आने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों के लिए एडवाइजरी का खाका तैयार कर लिया है। यात्रा मार्ग पर रात दस बजे से सुबह चार बजे तक वाहनों का संचालन बंद रहेगा। सभी कामर्शियल वाहनों के लिए ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड अनिवार्य होगा। हर वाहन में उसके फिटनेस, आरसी, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण, परमिट और टैक्स से जुड़े सभी दस्तावेज साथ रखने होंगे। यात्रा पर आने वाले कामर्शियल वाहनों के लिए इसी प्रकार के करीब 43 मानक तय किए गए हैं। संयुक्त परिवहन आयुक्त सनत कुमार सिंह के अनुसार पिछले वर्ष भी इसी प्रकार एडवाइजरी जारी की गई थी। अब कुछ नए संशोधनों के साथ एडवाइजरी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंगलवार तक इसे जारी करने की योजना है। चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए परिवहन विभाग ने एडवाइजरी तैयार कर रहा है। इसमें वाहनों के संचालन के मानक और जरूरी सूचनाएं शामिल की गई हैं। मालूम हो कि उत्तराखंड को प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। दूसरा, पर्वतीय राज्य होने की वजह से यहां वाहन चलाना मैदानी क्षेत्रों के मुकाबले कुछ ज्यादा कठिन हैं। इसलिए पहले ही सभी वाहनों के लिए मानक तय किए जा रहे हैं। ट्रैफिक नियमो को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा।

ट्रैफिक नियम नहीं मानने वालों पर होगा ऐक्शन – चारधाम यात्रा के दौरान राज्य में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के वाहन आते हैं। ऐसे में यातायात का दबाव बढ़ता है। परिवहन, सचिव बृजेश कुमार संत ने कहा कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए परिवहन से जुड़े मानक बनाए जा रहे हैं, जिनका पालन करने से यातायात नियंत्रित रहेगा। जल्द ही एडवाइजरी जारी कर दी जाएगी।

टैरिफ पर बोले अमेरिकी राष्ट्रपति- आगे क्या होगा, मैं नहीं जानता

कभी-कभी चीजों को ठीक करने के लिए दवा लेनी पड़ती है : ट्रम्प

एजेंसी ● वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका और दुनियाभर के बाजारों में आई गिरावट पर कहा कि 'कभी-कभी किसी चीज को ठीक करने के लिए दवा लेनी पड़ती है।' उन्होंने यह बात एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से कही। वे फ्लोरिडा में गोल्फ खेलकर वॉशिंगटन लौट रहे थे।

बातचीत

इस बातचीत में उन्होंने अपनी टैरिफ योजना से पीछे हटने के कोई संकेत नहीं दिए। खबरों के मुताबिक, ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देशों ने हमारे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया क्योंकि हमारा नेतृत्व मूर्खतापूर्ण था, जिसने ऐसा होने दिया। वहीं, अमेरिका और दुनिया भर में ट्रेड मार्केट्स में मची उथल-पुथल पर ट्रम्प ने कहा, 'बाजारों के साथ आगे क्या होगा, मैं नहीं कह सकता। लेकिन हमारा देश अब कहीं ज्यादा मजबूत है।'

ट्रम्प के लगाए टैरिफ के चलते दुनियाभर के बाजारों में गिरावट देखने को मिल रही है। 6 अप्रैल को अमेरिकी टीवी प्रेजेंटर और मार्केट एनालिस्ट जिम क्रैमर ने चेतावनी दी थी कि आज बाजारों में फिर से एक बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। इसे उन्होंने ब्लड-बाथ कहा। इसे 1987 के ब्लैक मंडे से जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि 19 अक्टूबर 1987 को दुनियाभर के स्टॉक मार्केट्स में एक ही दिन में सबसे भारी गिरावट देखने को मिली थी। अमेरिका के डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल ऐवरेज (DJIA) में 22.6% की गिरावट आई थी, जो इतिहास में आज तक की सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट है। यह गिरावट अमेरिका से शुरू हुई, लेकिन जल्दी ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा और एशियाई बाजारों तक फैल गई।

50 देशों ने टैरिफ को लेकर ट्रम्प प्रशासन से कॉन्टैक्ट किया

ट्रम्प प्रशासन में ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि टैरिफ को लेकर 50 से ज्यादा देशों ने ट्रम्प प्रशासन से संपर्क किया है, लेकिन किसी भी तरह की बातचीत में समय लगेगा। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ये देश वे लंबे समय से हमारे साथ गलत व्यवहार कर रहे हैं। और यह ऐसा मामला नहीं है जिसे कुछ दिनों या हफ्तों में बातचीत करके सुलझाया जा सके। हमें आगे का रास्ता देखना होगा, क्योंकि जब कोई देश 20, 30, 40 या 50 साल से गलत तरीकों पर चल रहा हो, तो आप एक झटके में सब कुछ साफ नहीं कर सकते हैं।

अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए ट्रम्प ने रेसिप्रोकल टैक्स लगाया - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दूसरे देशों पर लगाया जाने वाला रेसिप्रोकल टैक्स का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26% टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत बहुत सख्त है। मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा। अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

यूनुस सरकार का भारत विरोधी एजेंडा जारी

बांग्लादेश ने चीन को कोलकाता के पासपोर्ट सौंपा

एजेंसी ● ढाका

बांग्लादेश की सत्ता में शेख हसीना की जगह छात्र आंदोलन के बाद आए डॉ. मोहम्मद यूनुस की सरकार का भारत विरोधी रवैया जारी है। बिमस्टेक समिट में पीएम मोदी से मुलाकात के बाद भी यूनुस सरकार ने चीन और पाकिस्तान को रणनीतिक जगहों पर अहम प्रोजेक्ट सौंप दिए हैं। बांग्लादेश ने मोंगला पोर्ट के विस्तार की जिम्मेदारी चीन को दी है। यह पोर्ट भारत के कोलकाता से सिर्फ 200 किलोमीटर दूर है। यूनुस की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान इस डील पर मुहर लगी। चीन ने इस पोर्ट के आधुनिकीकरण के लिए 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,300 करोड़ रुपए) देने का वादा किया है। सिलीगुड़ी के पास पाकिस्तान के साथ एयरबेस बना रहा बांग्लादेश की सरकार लालमोनिरहाट जिले में एक सैन्य एयरबेस बना रही है, जो भारत के 'चिकन नेक' यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर से केवल 120 किमी दूर है। खास बात यह है कि इस एयरबेस के लिए बांग्लादेशी पायलटों को पाकिस्तान भेजा जा रहा है ताकि वे पाकिस्तानी JF-17 फाइटर जेट्स उड़ाना सीख सकें। 27 मार्च को पांच अधिकारियों को ट्रेनिंग के लिए भेजा भी गया।

विरोध

एक्सपर्ट्स बोले : भारत से दुश्मनी बांग्लादेश को ही नुकसान

चिटगांव यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर डॉ. फारिदुल आलम ने कहा कि आज के दौर में किसी बड़े पड़ोसी देश से दुश्मनी रखकर फायदा नहीं हो सकता। यूनुस सरकार को चाहिए कि वह भारत के साथ शांति बनाए रखे, वरना इसका नुकसान उसे ही होगा।

चीन और पाकिस्तान दोनों की मौजूदगी भारत के लिए खतरा

चीन पहले ही बांग्लादेश को पनडुब्बी दे चुका है और अब वह बंगाल की खाड़ी में अपनी मौजूदगी और मजबूत कर रहा है। वहीं, पाकिस्तान के साथ मिलकर बांग्लादेश की ये सैन्य गतिविधियां भारत की चिंता बढ़ा रही हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने से पहले ही विपक्षी गठबंधन ने 'इंडिया आउट' कैंपेन शुरु कर दिया था। अब यूनुस की पार्टी NCP खुलेआम भारत विरोधी बातें कर रही है। पार्टी के स्थापना दिवस पर पाकिस्तान के हाई कमिश्नर को बुलाना भी इसी एजेंडे का हिस्सा माना जा रहा है। चीन यात्रा में नॉर्थ-ईस्ट को लैंड लॉक्ड बताया था यूनुस ने चीन यात्रा के दौरान भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को 'लैंड लॉक्ड' (चारों ओर से जमीन से घिरे) कहा और कहा कि बांग्लादेश उनके लिए समुद्र तक पहुंच का इकलौता रास्ता है। इस बयान पर पूर्वोत्तर भारत के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कुछ ने यहां तक कहा कि बांग्लादेश को तोड़ देना चाहिए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)